

संक्षिप्त

वामदल राज्य भर में एमएमडीआर विधेयक की 25 से जलाएंगे प्रतियां



रांची। राज्य के सभी छह वामदलों भाकपा, माकपा, भाकपा (माले), एसयूसीआई (सी), फारवर्ड ब्लाक और आरएसपी खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक (एमएमडीआर)-2026 के खिलाफ पूरे राज्य में सड़कों पर उतरेंगे। यह निर्णय बुधवार को माकपा राज्य कार्यालय में आयोजित वामदलों की संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक में तय किया है कि 25 से 31 अगस्त के बीच राज्य के सभी जिलों के प्रखंडों, पंचायतों और नगर निकायों में संयुक्त रूप से इस विधेयक की प्रतियां जलायी जायेंगी। सार्वजनिक स्थानों पर नुककड़ सभा होगी और राजधानी रांची के लोकभवन पर प्रदर्शन आयोजित कर राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा। आंदोलन के अगले चरण में केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों का घेराव और झारखंड बंद की घोषणा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता भाकपा (माले) के राज्य सचिव मनोज भक्त ने की। बैठक में भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, अशोक यादव, माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विल्वव, प्रफुल्ल लिंडा, समीर दास, सुखनाथ लोहरा, अमल आजाद बीना, भाकपा (माले) के शुभेंदु सेन, सुदामा खलको, एसयूसीआई (सी) के मिंटू पासवान और दिलीप कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति नियमावली-2026 पर उच्च न्यायालय ने सरकार से मांगा जवाब

रांची। झारखंड सरकार की ओर से लागू झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति नियमावली-2026 को चुनौती देने वाली लाल रंजन नाथ शाहदेव की याचिका पर बुधवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने महाधिवक्ता रोहित राय से कहा कि मामले की सुनवाई पूरी होने तक झारखंड लॉ ऑफिसरों की नियुक्ति से संबंधित प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जाए। महाधिवक्ता ने अदालत के समक्ष इस पर सहमति जताई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 8 सितंबर की तिथि निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता रितु कुमार ने पक्ष रखा। दरअसल, अधिवक्ता लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव ने याचिका दायर कर झारखंड लॉ ऑफिसर नियुक्ति नियमावली-2026 के तहत आवेदन आमंत्रित किए जाने की प्रक्रिया को चुनौती दी है। याचिका में नई नियमावली के साथ ही इसके तहत लॉ ऑफिसरों के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए हैं। प्रार्थी का कहना है कि नियमावली के कुछ प्रावधान विधिसम्मत नहीं हैं।

भाजपा के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने अभित शाह से की मुलाकात, मिला मार्गदर्शन



रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में झारखंड भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अभित शाह से मुलाकात की। इस दौरान झारखंड के कई सम-सामयिक विषयों पर गृह मंत्री से सार्थक चर्चा हुई। गृह मंत्री द्वारा भाजपा नेताओं को कई आवश्यक निर्देश और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास, चंपाई सोरेन, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय, दीपक प्रकाश और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह शामिल थे।

परीक्षा रद्द होते ही लोकगीत के जरिए छात्राओं ने जतायी खुशी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा समेत 22 परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला लिया है। इसके कारण 2628 अप्सरों और कर्मचारियों की नौकरी पर तलवार लटकने लगी है। दूसरी तरफ जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता के खिलाफ रांची में पिछले 26 दिनों से प्रदर्शन कर रहे छात्रों में उत्साह का माहौल है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने रांची में दो दिनों से विजय जुलूस निकाल कर अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। जेपीएससी और जेएसएससी की ओर से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले बाद रांची में लोकगीत के जरिए छात्राओं ने खुशी जताई। इस दौरान रांची की सड़कों पर लोकगीत गूंज उठा। आंदोलन में लोकगीत की गूंज से प्रदर्शनकारी छात्रों का मनोबल और बढ़ गया है।

सड़के पारंपरिक और आंदोलनकारी गीतों से गूंज उठीं

22 परीक्षाओं को रद्द करने और कई परीक्षाओं की जांच और कुछ परीक्षाओं को होल्ड पर रखने के फैसले को प्रदर्शनकारी छात्रों ने अपनी जीत करार दिया। इस जीत



के जश्न में छात्राओं ने अपनी भावनाओं और संघर्ष को व्यक्त करने के लिए लोकगीतों का सहारा लिया। रांची की सड़कें पारंपरिक और आंदोलनकारी गीतों से गूंज उठीं। छात्राओं ने गीतों के माध्यम से जीवन की कड़वी सच्चाइयों, मेहनत, संघर्ष और अपनी मांगों को बेहद संगीतमय अंदाज में पेश किया।

लोकगीत में बचपन की यादें और युवा संघर्ष की राह

गीतों के बोल में यह साफ झलका कि कैसे बचपन के सुख-सुविधाओं और मां की गोद को छोड़कर युवा संघर्ष की राह चुनते हैं। उन्होंने अपनी पंक्तियों से यह

संदेश दिया कि दिन-रात मेहनत करके जब कोई अपनी उम्मीदों की फसल सींचता है, तो उसका हक किसी और के पास नहीं जाना चाहिए। परीक्षा रद्द होने के इस फैसले को छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत और एकजुटता की जीत माना और गीतों की धुन पर जमकर जश्न मनाया।

लोकगीत गाकर भ्रष्टाचार पर प्रहार

दूसरी तरफ छात्रों के एक गुट की ओर से स्थानीय लोकगीत गाकर भ्रष्टाचारियों पर प्रहार किया जा रहा है। लगातार छात्रों की ओर से लोकगीत के माध्यम से सत्ता में बैठे लोगों और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने अधिकारियों और पेपर लीक पर प्रहार किया जा रहा है।

बोकारो ट्रेजरी घोटाला मामले में अन्नु पांडेय को हाई कोर्ट से नहीं मिली अग्रिम जमानत

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने बोकारो कोषागार के पुलिस विभाग के वेंतन मद से कथित तौर पर 3.15 करोड़ रुपये की निकासी के मामले में आरोपित अन्नु पांडेय को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने अन्नु पांडेय की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह मामला सीआईडी केस नंबर 06/2026 से संबंधित है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि बोकारो कोषागार से सब-इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह के वेंतन मद से करीब 20 महीने की अवधि में कथित तौर पर 3.15 करोड़ रुपये की निकासी की गई। अधिवक्ता ने दलील दी कि इस कथित वित्तीय गतिविधि से अन्नु पांडेय का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है और यह पूरा काम उनके पति कौशल कुमार पांडेय ने किया है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि कौशल कुमार पांडेय ने अन्नु पांडेय के नाम पर बैंक खाता खुलाया और कथित तौर पर निकाली गई राशि उसमें स्थानांतरित की गई। बाद में रकम पति के खाते में ट्रांसफर किए जाने की बात भी अदालत के समक्ष रखी गई। मामले में बेनामी लेन-देन का आरोप भी बताया गया। बचाव पक्ष ने यह भी दलील दी कि अन्नु पांडेय नवजात बच्चे की मां हैं। वहीं, राज्य सरकार की ओर से अग्रिम जमानत का विरोध किया गया। सरकारी पक्ष ने आरोप लगाया कि अन्नु पांडेय अपने पति कौशल कुमार पांडेय के साथ संबंधित बैंक खाते का संचालन कर रही थीं। आरोप है कि दोनों ने बोकारो पुलिस विभाग के कोषागार के वेंतन मद से निकाली गई राशि को उक्त खाते में जमा कराया और खाते में 3.15 करोड़ रुपये से अधिक की रकम पड़ची। उच्च न्यायालय ने एफआईआर का अवलोकन करने के बाद पाया कि याचिकाकर्ता कौशल कुमार पांडेय की पत्नी हैं और उनके संबंध में बोकारो पुलिस विभाग के कोषागार के वेंतन मद से निकाली गई राशि को उक्त खाते में जमा कराया और खाते में 3.15 करोड़ रुपये की राशि उनके खाते में जमा होने का गंभीर आरोप है। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने अन्नु पांडेय को अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी।

अभ्यर्थियों का दावा : जेएसएससी ने एक ही प्रमाण पत्र के लिए 2 नियम लागू किए

एक में नियुक्ति, दूसरे में रोका रिजल्ट

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की अलग-अलग नियुक्तियों में इंडब्ल्यूएस और ओबीसी प्रमाणपत्रों को लेकर अलग-अलग मापदंड अपनाए जाने का मामला सामने आया है। अभ्यर्थियों का दावा है कि एक नियुक्ति में प्रमाणपत्र सत्यापन के दौरान आवेदन की अंतिम तिथि तक या उससे पहले जारी प्रमाणपत्र के साथ सत्यापन वर्ष का प्रमाणपत्र भी मांगा जा रहा है, जबकि कुछ अन्य नियुक्तियों में केवल प्रमाणपत्र सत्यापन वाले वर्ष के प्रमाणपत्र को आधार बनाकर नियुक्ति की अनुशंसा की गई। अभ्यर्थियों का कहना है कि जेएसएससी की ओर से आयोजित अलग-अलग नियुक्ति परीक्षाओं में प्रमाणपत्र की वैधता को लेकर अलग-अलग नियम अपनाए जाने से परीक्षा पास करने के बावजूद इंडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग के कई अभ्यर्थी नियुक्ति से वंचित हो रहे हैं। वहीं, जिन परीक्षाओं में केवल सत्यापन वर्ष के प्रमाणपत्र को आधार बनाया गया, वहां आयोग की अनुशंसा पर कुछ अभ्यर्थियों की नियुक्ति भी हो चुकी है।

दो मामलों से समझिए प्रमाणपत्र का विवाद

अभ्यर्थियों के अनुसार, महिला पर्यवेक्षिका और माध्यमिक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में प्रमाणपत्र को लेकर अलग-अलग प्रक्रिया अपनाई गई। दोनों मामलों में इंडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों की पात्रता प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है।



महिला पर्यवेक्षिका परीक्षा में अद्यतन प्रमाणपत्र के आधार पर अनुशंसा

महिला पर्यवेक्षिका नियुक्ति में अद्यतन इंडब्ल्यूएस और ओबीसी प्रमाणपत्र के आधार पर नियुक्ति की अनुशंसा की गई। इसमें ऐसे अभ्यर्थी भी शामिल थे, जिनके पास आवेदन वर्ष 2023 का प्रमाणपत्र नहीं था। कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी मिल गया, जबकि कुछ अन्य की नियुक्ति बाद में विभागीय स्तर पर रोक दी गई। जिन अभ्यर्थियों की नियुक्ति हुई है, उन्हें बाद में विभाग की ओर से नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई है।

माध्यमिक आचार्य नियुक्ति में 50 से अधिक अभ्यर्थियों का रिजल्ट रोका

माध्यमिक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में अलग-अलग विषयों के लिए प्रमाणपत्र सत्यापन को बुलाए गए 50 से अधिक अभ्यर्थियों का रिजल्ट रोक दिया गया है। इन अभ्यर्थियों से आवेदन जमा करने और प्रमाणपत्र सत्यापन, दोनों विषयों वर्षों के इंडब्ल्यूएस और ओबीसी प्रमाणपत्र मांगे जा रहे हैं।

उर्दू विषय के अभ्यर्थी से आवेदन अवधि का प्रमाणपत्र मांगा

माध्यमिक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में उर्दू विषय के प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए बुलाए गए एक अभ्यर्थी से आवेदन की अंतिम तिथि तक अथवा उससे पहले जारी इंडब्ल्यूएस श्रेणी का प्रमाणपत्र मांगा गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि इस तरह अलग-अलग नियुक्तियों में प्रमाणपत्र की वैधता को लेकर अपनाए जा रहे मापदंड स्पष्ट होने चाहिए।

क्या है प्रमाणपत्र से जुड़ा नियम

इंडब्ल्यूएस और ओबीसी प्रमाणपत्र निर्धारित वित्तीय वर्ष के आधार पर जारी किए जाते हैं। आवेदन के समय संबंधित वर्ष का वैध प्रमाणपत्र होना आवश्यक माना जाता है। भर्ती प्रक्रिया लंबी होने के कारण नियुक्ति के समय भी अद्यतन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना पड़ता है। इसी वजह से आवेदन वर्ष और नियुक्ति वर्ष, दोनों चरणों में पात्रता की जांच की जाती है।

अभ्यर्थियों ने उठायी समान नियम की मांग

अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर प्रमाणपत्र की वैधता को लेकर नियम निर्धारित है, तो उन्हें जेएसएससी की सभी नियुक्ति परीक्षाओं में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। अलग-अलग परीक्षाओं में अलग-अलग मापदंड अपनाए जाने से अभ्यर्थियों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है।

छात्र आंदोलन जेपीएससी मुद्दे पर अनशनकारी छात्रों ने सरकार के लिए तय किया डेडलाइन

बेहतर तरीके से जांच की शर्त पर तोड़ा अनशन

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितता और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच की ओर से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई 2026 से चल रहे छात्र आंदोलन बुधवार को 26 वें दिन फिलहाल 60 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया। आंदोलन के तहत 16 दिनों से जारी आमरण अनशन भी समाप्त कराया गया।

कोतवाली थाना प्रभारी सनेज चौधरी ने स्टेडियम में मौजूद अनशनकारी छात्रा सबिता कुमारी, रूपेश कुमार, राहुल क्रांति को जुस पिलाकर अनशन तोड़वाया। हालांकि, सबिता कुमारी सहित अन्य अनशनकारियों ने दो टूक कहा कि आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है। लेकिन सरकार ने जेपीएससी-जेएसएससी सीजीएल सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में



कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की बेहतर जांच का

को दो माह तक देखा जाएगा। छात्रों ने कहा कि इस अवधि में सरकार की ओर से उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने पर वे दोबारा आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगे। इसके लिए सरकार को 60 दिनों का समय दिया गया है।

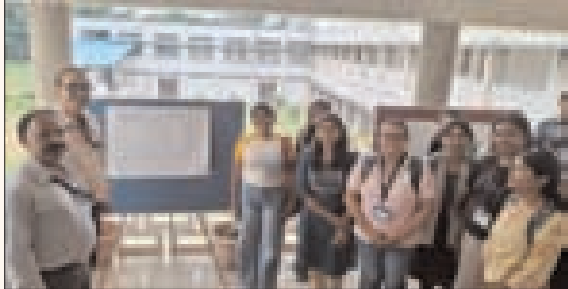
इस अवसर पर पीयूष सिंह ने आंदोलन में शामिल होनेवाले मीडिया, सामाजिक संगठन सहित अन्य लोगों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मांगों छात्रों की हर समस्या पर रिफॉर्म मंच आगे भी बढ़-चढ़कर कार्य करता रहेगा। मौके पर कुणाल प्रताप सिंह ने कहा कि आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग कथित परीक्षा धांधली की सीबीआई जांच है। लेकिन सरकार जो कर रही है। उसे दो माह देखा जाएगा। सबकुछ छात्रहित और भ्रष्टाचार के खिलाफ

होना चाहिए नहीं तो छात्रों को एकजुटता दिखाने में देर नहीं लगेगी। छात्रों का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी है। उनका कहना है कि सिर्फ विभागीय या सीमित जांच से अभ्यर्थियों के मन में उठ रहे सवालों का समाधान नहीं होगा। छात्र प्रतिनिधियों ने कहा कि दो माह की मोहलत संघर्ष से पीछे हटना नहीं, बल्कि सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई का अवसर देना है। निर्धारित अवधि में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा।

मौके पर पीयूष कुमार, कुणाल प्रताप सिंह, उमेश प्रसाद, देवाशीष सहित बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी सहित मौजूद थे।

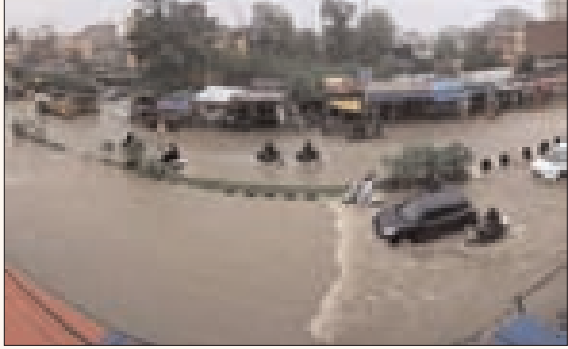
एक नजर

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग जागरूकता सप्ताह का आयोजन



रांची। छात्र-छात्राओं को रैगिंग के दुष्प्रभावों से अवगत कराने तथा परिसर में सुरक्षित, सम्मानजनक समावेशी एवं स्वतंत्र करने वाला शैक्षणिक माहौल बनाने के उद्देश्य से बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में 12 से 18 अगस्त तक एंटी रैगिंग जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। कृषि संकाय में डीन डॉ डीके शाही एवं वार्डन डॉ नीरज कुमार के नेतृत्व में तथा पशुचिकित्सा संकाय में अधिष्ठाता डॉ आलोक कुमार पांडेय एवं वार्डन डॉ एके शर्मा के मार्गदर्शन में सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को रैगिंग के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और कानूनी असर के बारे में जागरूक किया गया तथा ऐसे कृत्य में किसी भी प्रकार की संलग्नता से बचने का परामर्श दिया गया। प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी प्रकार रैगिंग में शामिल नहीं होने की शपथ छात्र-छात्राओं को दिलाई गई और रैगिंग के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। कृषि संकाय में निबंध प्रतियोगिता तथा सोशल मीडिया वीडियो एवं पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए मिथुन साँ एवं सपना कुमारी को सम्मानित किया गया। निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

झारखंड में अब तक सामान्य से 10 प्रतिशत कम बारिश, 23 अगस्त तक येलो अलर्ट



रांची। झारखंड में एक जून से 19 अगस्त के बीच 700.5 मिलीमीटर के मुकाबले 633.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य से 10 प्रतिशत कम है। मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में 23 अगस्त तक गरज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब कमजोर पड़ गया है। हालांकि, अगले एक-दो दिनों तक राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर बारिश रामगढ़ जिले के पतरातू में रिकॉर्ड की गई। इस दौरान चाईबासा में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और लातेहार में न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से हल्की बारिश होती रही। दिनभर बादल छाप रहने और बारिश के कारण वातावरण में ठंडक महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 26.8 और न्यूनतम 25 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 27.3 और न्यूनतम 25.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 29.2 और न्यूनतम 23.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 32 और न्यूनतम 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जेपीएससी इंटरव्यू में गड़बड़ी के आरोप, बाबूलाल मरांडी ने की सीबीआई जांच की मांग

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं-13वीं संयुक्त सखिल सेवा परीक्षा रद्द होने के बाद अब इंटरव्यू प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इंटरव्यू में गड़बड़ी और अभ्यर्थियों से पैसे लिए जाने की शिकायतों का हवाला देते हुए अपराध जांच विभाग (सीआईडी) जांच पर सवाल उठाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूरे मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि टीडीएल के रामवीर सिंह और अन्य तिवारी की ओर से जेपीएससी के इंटरव्यू बोर्ड को मैनेज करने की बात कहे जाने का दावा सामने आया है। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू में अभ्यर्थियों से पैसे लेने के मामले में तत्कालीन जेपीएससी सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के पीए ब्रजमारी की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि रामवीर सिंह ने पूछताछ में बताया है कि कोड डिकोड कर अभ्यर्थियों को तत्कालीन जेपीएससी अध्यक्ष और सदस्यों के बोर्ड के समक्ष इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता था। उन्होंने कहा कि इन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इंटरव्यू प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच जरूरी है। मरांडी ने इंटरव्यू बोर्ड में शामिल अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सीआईडी के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मनोज कौशिक समेत कई आईपीएस अधिकारी जेपीएससी के इंटरव्यू बोर्ड का हिस्सा रहे हैं। ऐसे में यदि बोर्ड में शामिल अधिकारियों की भूमिका पर ही सवाल उठ रहे हैं तो उसी जांच एजेंसी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कैसे संभव होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। मरांडी ने कहा कि यदि इंटरव्यू में गड़बड़ी या उसे मैनेज करने के आरोप सही पाए जाते हैं तो इंटरव्यू बोर्ड में शामिल सभी अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाने चाहिए और उनकी भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। मरांडी ने कहा कि मामले की जांच पूरी नहोई और निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए तथा जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उनके अनुसार, सीबीआई जांच से मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने और अभ्यर्थियों के बीच भरोसा कायम करने में मदद मिलेगी।

धन शोधन मामले में मधु कोड़ा की याचिका पर हाइकोर्ट में सुनवाई, ईडी ने दाखिल किया जवाब

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की ओर से धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में आरोपपत्र में दर्ज राशि में बदलाव को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अदालत में अपना जवाब दाखिल किया गया। ईडी के जवाब के बाद अदालत ने प्रार्थी मधु कोड़ा को अपना प्रतिउत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया। दरअसल, धन शोधन मामले में ईडी की ओर से दाखिल आरोपपत्र में कथित तौर पर दर्ज धन शोधन की राशि में बदलाव किया था। मधु कोड़ा ने इस बदलाव को लेकर निचली अदालत में आपत्ति जताते हुए याचिका दाखिल की थी। हालांकि, निचली अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। निचली अदालत के इस आदेश को मधु कोड़ा ने झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। उनकी ओर से दायर याचिका में आरोपपत्र में दर्ज धन शोधन की राशि में किए गए बदलाव पर सवाल उठाते हुए इसे चुनौती दी गई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान ईडी ने अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखा। अब प्रार्थी की ओर से ईडी के जवाब पर प्रतिउत्तर दाखिल किया जाएगा। इसके बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी।



संक्षिप्त खबरें

बुढ़मू में 20 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन
बुढ़मू। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बुढ़मू में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तारिक अनवर के नेतृत्व में 20 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ऑपरेशन विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. मुनिरलम, पीएचएसआई हैदराबाद एवं उनकी टीम शामिल रही। ऑपरेशन के दौरान सभी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं और सावधानियों का पालन किया गया। स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने मरीजों की देखभाल और उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सफल अभियान में नर्सिंग स्टाफ सिस्टर एलिजाबेथ डांग, सिस्टर संगीता खाखा, शांति कच्छप, अर्पणा उरांव, सरोज, लीना बोदरा, अर्पणा बाड़िंग और त्रिभुवन साहू का सराहनीय योगदान रहा। इसके अलावा सफाई कर्मियों ने भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तारिक अनवर ने पूरी टीम के समर्पण और सहयोग की सराहना की। स्वास्थ्य केंद्र की टीम के सामूहिक प्रयास से 20 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी



खूंटी। जन शिक्षण संस्थान, खूंटी की ओर से 18 और 19 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न ट्रेडों के मास्टर ट्रेनर्स को कोशल विकास, स्वरोजगार, उद्यम स्थापना और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। क्षमता निर्माण सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में फैक्ट्री इंस्पेक्शन के कम्पीटेंट अथॉरिटी गौव सिंह शामिल हुए। वहीं, उद्यमिता विकास कार्यक्रम में जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला उद्यमी समन्वयक मंजू मिंज और मुख्यामंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड के ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर आशीष वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, खूंटी के प्रभारी निदेशक शैलेश कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। सरकारी योजनाओं के माध्यम से उद्यम स्थापना और रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने की जानकारी भी दी गई। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन कोशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में जन शिक्षण संस्थान, खूंटी के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में धूमधाम से मना सावन महोत्सव एवं राखी मेकिंग प्रतियोगिता

राखी मेकिंग प्रतियोगिता में प्रीतीसुन कुल्लू प्रथम

नवाप्रदेश संवाददाता

मांडर। मांडर के कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को सावन महोत्सव एवं राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस दौरान पूरा कॉलेज परिसर हरियाली, सांस्कृतिक गीतों और विद्यार्थियों के रचनात्मक उत्साह से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) उपेंद्र उपाध्याय, आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विवेक राज जायसवाल तथा कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की।

राखी मेकिंग में दिखी विद्यार्थियों की रचनात्मकता

सांस्कृतिक उत्सव के तहत आयोजित राखी मेकिंग प्रतियोगिता में बी.एड. और डी.एल.एड. के



छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक और पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक एवं सुंदर राखियां तैयार कीं। प्रतियोगिता में बी.एड. की छात्रा प्रीतीसुन कुल्लू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नेहा लकड़ा एवं मुस्कान लकड़ा संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि संध्या

लकड़ा (बी.एड.) एवं आशीष कुजुर (डी.एल.एड.) ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को कॉलेज प्रबंधन एवं अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आकांक्षा सिंह बनीं सावन तवीन

सावन महोत्सव के सांस्कृतिक

कार्यक्रमों के बीच आयोजित ह्रसावन कवीनह्न प्रतियोगिता समारोह का विशेष आकर्षण रही। प्रतिभागियों ने आकर्षक परिधान, आत्मविश्वास और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल ने बी.एड. की छात्रा आकांक्षा सिंह को ह्रसावन कवीनह्न चुना। उन्हें ताज पहनाकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए डीन उपेंद्र उपाध्याय ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उनमें रचनात्मकता, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के सामाजिक महत्व को समझने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. रिभा कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार जताया। समारोह में बी.एड. सत्र 2025-27, डी.एल.एड. सत्र 2025-27 एवं 2026-28 के छात्र-छात्राओं के अलावा शिक्षक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विधायक राजेश कच्छप ने भवन निर्माण का किया शिलान्यास

अनगड़ा में बनेगा मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट



नवप्रदेश संवाददाता

अनगड़ा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च द्वारा अनगड़ा में मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट सेंटर का बुधवार को खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने भूमि पूजन और शिलान्यास किया। विधायक ने कहा कि अनगड़ा जैसे सुदूर ग्रामीण और जनजातीय बहुल क्षेत्र में इस अत्याधुनिक रिसर्च यूनिट की स्थापना मौल का पत्थर साबित होगा। कहा कि इस रिसर्च सेंटर के माध्यम से क्षेत्र के लोगों की जरूरतों के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य नीतियां बनाने और आधुनिक इलाज सुविधाएं उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी। कार्यक्रम में आईसीएमआर के निदेशक डॉ अनुप अन्विकार, भारत सरकार के उप सचिव धारकत आर. लुईकांग, डॉ प्रवीण कुमार त्रिपाठी, रिस्म के डीन डॉ लखन मांझी, सीएचसी प्रभारी डॉ शशिप्रभा, डॉ रामप्रसाद, डॉ रिशू

नायक और डॉ दिनेश कुमार, प्रमुख दीपा उरांव, जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा, भाजपा नेता सुरेंद्र महतो, रामसाय मुंडा, ग्राम प्रधान लोकनाथ पाहन, जयराम महली, प्रवीण भारती, शिवदास गोस्वामी उपस्थित थे।

शिलान्यास पट्ट में केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ का नाम नहीं होने पर भाजपा ने जताया विरोध

शिलान्यास कार्यक्रम में स्थानीय सांसद सह केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के नाम की अन्गदेखी पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा विरोध जताया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजना के शिलान्यास पट्ट में क्षेत्रीय सांसद का नाम न होना और उन्हें आमंत्रित न करना प्रोटोकॉल का घोर उल्लंघन है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई तथा जिला प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगने की बात कही।

वन विभाग पर पेसा कानून के उल्लंघन का आरोप

नीमडीह-सोनाहातु के ग्रामीणों ने दिया धरना

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर रास्ता और चारागाह उपलब्ध कराने की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

सिल्ली। बुधवार, 19 अगस्त 2026 को वन विभाग द्वारा पेसा कानून के कथित उल्लंघन के खिलाफ नीमडीह और सोनाहातु क्षेत्र के ग्रामीणों ने धरना दिया। ग्रामीणों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन झारखंड के राज्यपाल को सौंपा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बूंदू वन क्षेत्र के वन विभाग द्वारा नीमडीह के ग्रामीणों के आवागमन का रास्ता रोका जा रहा है। उन्होंने राज्यपाल से ग्रामीणों के रास्ते पर रोक लगाने की कार्रवाई बंद कराने, किसानों को अपने खेतों और पशुओं के चारागाह तक आने-जाने के लिए रास्ता उपलब्ध कराने तथा ग्रामसभा की अनुमति के बिना पेड़ लगाए जाने पर रोक लगाने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुए किसान नेता उमेश महतो, सोनाहातु के मुखिया विकास मुंडा, बसंत मुंडा, चतुर महतो, देवेंद्र नाथ महतो, परीक्षित महतो, मुकेश



महतो, सुखलाल मुंडा, रवींद्रनाथ मुंडा, लालू लोहरा, राजनाथ महतो, विनोद महतो, विश्वदेव महतो, शोशोधर महतो, दुखी महतो, कुलदीप महतो, अशोक महतो, अचनु महतो, मकरध्वज महतो, प्रदीप महतो और बिसम मुंडा सहित अन्य लोगों ने अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि पेसा कानून के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए और ग्रामसभा की सहमति के बिना ग्रामीण क्षेत्रों में कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के रास्ते और चारागाह पर किसी प्रकार की रोक स्वीकार नहीं की जाएगी।

वन विभाग की कथित मनमानी के खिलाफ आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी भी दी गई। इस दौरान ग्रामीणों ने पेसा कानून का उल्लंघन बंद करो, ग्रामसभा का उल्लंघन नहीं चलेगा, वन विभाग की मनमानी के खिलाफ संघर्ष तेज करो तथा लोकसभा न विधानसभा, सबसे बड़ा ग्रामसभा जैसे नारे लगाए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि पेसा कानून के उल्लंघन और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे व्यापक नागरिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। यह जानकारी किसान नेता उमेश महतो की ओर से दी गई।

सांसद के लेटर पैड के कथित दुरुपयोग का मामला, जांच की मांग

खूंटी। लोकसभा सांसद कालीचरण मुंडा के आधिकारिक लेटर पैड का कथित रूप से बिना अनुमति और अनधिकृत तरीके से उपयोग किए जाने का मामला सांसद कार्यालय के सज्ञान में आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद के निजी सचिव विजय कुमार स्वांसी ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को बुधवार को ज्ञापन सौंप कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कराने की मांग की है। सांसद के निजी सहायक ने बताया कि कुछ पत्र और दस्तावेज सामने आए हैं, जिन्हें प्रथम दृष्टया सांसद कार्यालय की ओर से जारी पत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है। हालांकि सांसद कार्यालय की जानकारी और अनुमति के बिना ऐसे किसी पत्र को जारी नहीं किया गया है। कार्यालय की ओर से संबंधित पत्रों की प्रतियां और उपलब्ध साक्ष्य जांच के लिए पुलिस को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। निजी सहायक ने कहा कि सांसद के नाम, पदनाम और आधिकारिक लेटर पैड का अनधिकृत उपयोग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच में यदि किसी व्यक्ति ने जानबूझकर फजी दस्तावेज तैयार करने या उसका उपयोग करने की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सांसद कार्यालय ने आम लोगों और संबंधित विभागों से भी अपील की है कि सांसद की ओर से जारी किसी भी आधिकारिक पत्र की सत्यता की पुष्टि आवश्यक होने पर सीधे सांसद कार्यालय से की जा सकती है।

सौंस आजीविका महिला संकुल की वार्षिक आमसभा संपन्न

बंधु तिकी ने दीदियों को आत्मनिर्भर बनने का दिया मंत्र

नवप्रदेश संवाददाता

चान्हो। चान्हो प्रखंड परिसर स्थित किसान भवन में सौंस आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति होमिटेड की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।वार्षिक आमसभा के दौरान संकुल के वित्तीय वर्ष 2025-26 का लेखांकन एवं वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही आगामी कार्ययोजना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। संकुल के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों और आजीविका से जुड़े कार्यों की भी जानकारी साझा की गई।



दीदियों को स्वावलंबी बनने के लिए किया प्रेरित

इस अवसर पर बंधु तिकी ने

उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का सही उपयोग कर महिलाएं अपनी आजीविका को मजबूत कर सकती हैं। उन्होंने

कहा कि मईयां सम्मान योजना, बैंक ऋण और सीआईएफ की राशि का उचित एवं योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने दीदियों को आर्थिक एवं वित्तीय रूप से

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधनों का सदुपयोग कर आय के नए स्रोत विकसित किए जाएं। महिलाओं की आर्थिक मजबूती से परिवार के साथ-साथ पूरे समाज का विकास संभव है। कार्यक्रम में बीपीएम जया कुमारी, बीपीओ संजय मेहता, बीएपी बसंती देवी, संकुल की सीसी हीरामणि, पीआरपी संध्या देवी समेत संकुल के अंतर्गत विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की बड़ी संख्या में दीदियां उपस्थित रहीं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष इश्टियाक अंसारी, चटवाल पंचायत के मुखिया शिव उरांव एवं विधायक प्रतिनिधि सुजीत साही की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आमसभा में महिलाओं ने आजीविका से जुड़े कार्यों को

आगे बढ़ाने और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने का संकल्प लिया।

आगे बढ़ाने और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने का संकल्प लिया।

रांची, गुरुवार, 20 अगस्त, 202603

एक नजर

जलसा रेस्टोरेंट में अवैध बार का भंडाफोड़, संचालक सहित पांच युवक गिरफ्तार

रातू। गश्ती के दौरान मिली गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए रातू पुलिस ने 18 अगस्त को रात 11:15 बजे रिंग रोड सिमलिया स्थित जलसा रेस्टोरेंट में छापेमारी की। पुलिस ने अवैध रूप से बार संचालित करने के आरोप में रेस्टोरेंट संचालक सहित पांच युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार रेस्टोरेंट में तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाकर अवैध शराब की बिक्री की जा रही थी। बाहर से युवतियों को बुलाकर नाच-गाना कराया जा रहा था। छापेमारी के दौरान कई लड़कियां छोटे कपड़ों में युवकों के साथ अश्लील डांस करती पाई गई। पुलिस ने मौके से साउंड सिस्टम और शराब की बोतलें जप्त कीं। गिरफ्तार युवकों में भोला यादव पिता निर्मल यादव निवासी कमडे, अभिमन्यु सिंह पिता इंद्रमणि सिंह निवासी रवि स्टील, सौरभ कुमार पिता अजीत राम, रौनक सिंह पिता बबन बहादुर सिंह और अनिकेत सिंह पिता रविंद्र सिंह शामिल हैं। तीनों केशवनगर, पिरां रातू के रहने वाले हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि बिना लाइसेंस के बार चलाया जा रहा था। पुलिस ने सभी के खिलाफ मामला दर्ज कर बुधवार को सभी को जेल भेज दिया। छापेमारी में अनुरंजन कुमार, प्रियंका कुमारी, सुनील सिंह, मनोज कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

आदिवासी छात्र संघ का करम पूर्व संध्या महोत्सव 13 सितंबर को हाई स्कूल मैदान में

रातू। आदिवासी छात्र संघ और पंचायत प्रतिनिधियों के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होने वाले करम पूर्व संध्या महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर बुधवार को रातू दक्षिणी पंचायत भवन में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख संगीता तिकी ने की। इसमें 13 सितंबर 2026, रविवार को हाई स्कूल मैदान, रातू में महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा और विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी जिम्मेदारियों तय की जाएंगी और आपसी समन्वय से काम किया जाएगा। इसमें रातू दक्षिणी मुखिया जयश्री कुमारी, दक्षिण पूर्व रेलवे सलाहकार समिति सदस्य बिमल उरांव, समाजसेवी कृष्णा उरांव,आदिवासी छात्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष रोशन तिग्गा, सचिव अमित तिग्गा, कोषाध्यक्ष अनुज तिकी, पूर्व मुखिया मुकेश भगत, शिवनाथ उरांव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बैशाखी हत्याकांड: आरोपी दंपती जेल भेजे गए



अनगड़ा। साल्हन में स्वर्णरेखा नदी से बरामद युवती बैशाखी कुमारी हत्याकांड में सलिप सिकिदिरि थाना क्षेत्र के कड़का निवासी आरोपी हीरालाल मुंडा (35 वर्ष) और उसकी पत्नी बिरसी देवी (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया गया। पृष्ठताछ में आरोपियों ने बताया कि मुत्का बैशाखी का हीरालाल से अवैध संबंध था और वह चार माह की गर्भवती थी। हीरालाल उसे दूसरी पत्नी बनाना चाहता था, लेकिन बिरसी इसका विरोध कर रही थी। इसी विवाद में 12 अगस्त की रात दंपती ने उसे शराब पिलाई और आँटो से तुरुप ले जाकर दुपट्टे से गला घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद साक्ष्य छिपाने के लिए शव को नदी में फेंक दिया। सिल्ली डीएसपी मनीषचंद्र लाल व अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम रजवार के नेतृत्व में गठित टीम ने सीडीआर और तकनीकी मदद से दोनों को गिरफ्तार किया।

सिकिदिरि में भारी वर्षा में गिरा मिट्टी का कच्चा मकान, मुआवजे की मांग



अनगड़ा। सिकिदिरि के भूसुर गांव निवासी चितामणि देवी पति नेबाराम मुंडा का मिट्टी का कच्चा मकान तेज बारिश के कारण गिरकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घर में रखे अनाज और कई आवश्यक सामान भी पूरी तरह बर्बाद हो गए। घटना मंगलवार की रात करीब 11 बजे की है। घटना के समय चितामणि देवी अपने दो बच्चों के साथ बमाल के दूसरे कमरे में सोई हुई थीं। घर गिरने का एहसास होते ही वह जग गईं और अपने बच्चों के साथ घर से भाग कर अपनी और अपने बच्चों की जान बवाई। चितामणि देवी ने बताया कि घर गिर जाने से अब उसे रहने में काफी परेशानी होगी। उसने मुआवजे की मांग की है।

वकीलों पर टिप्पणी मामला: मुनि सुधा सागर जी को रांची सिविल कोर्ट से समन

रांची। रांची धार्मिक संघ से अधिका समुदाय को लेकर की गई कथित टिप्पणियां अब अदालत के समक्ष आ गई हैं। रांची सिविल कोर्ट के न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत ने मानहानि के मामले में जैन मुनि सुधा सागर जी महाराज के विरुद्ध प्रथम दृष्टया पर्याप्त आधार पाते हुए समन जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने आरोपित की उपस्थिति के लिए मामला 09 सितंबर 2026 को सुनौबद्ध किया है। मामले में अधिका प्रखर हरित ने शिकायतवाद दायर की है। आरोप है कि 31 अक्टूबर 2024 को मध्य प्रदेश में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मुनि सुधा सागर महाराज ने अधिकाओं को जैन समितियों में शामिल करने से जुड़े सवाल के जवाब में पूरे अधिका वर्ग को लेकर आपतिजनक टिप्पणियां कीं। कार्यक्रम के टेलीविजन और इंटरनेट-सोशल मीडिया पर प्रसारित होने की बात भी शिकायत में दर्ज है। शिकायतवाद के मुताबिक मुनि पर अधिकाओं को समितियों में शामिल नहीं करने की बात कहने और उनके कारण विवाद और विभाजन पैदा होने जैसी टिप्पणियां की है। अधिकाओं की मानसिकता को कथित रूप से डिस्टर्बिव बनाने एवं वकील की ओर से सत्य-असत्य से इतर अपने मुवकिल को जिताने का प्रयास करने जैसी बातें कहने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह किसी एक वकील पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि पूरे अधिका समुदाय की पेशेवर प्रतिष्ठा पर असर डालने वाली टिप्पणी थी। शिकायत में कहा किया गया कि सार्वजनिक प्रसारण के कारण कथित बयान बड़े स्तर पर लोगों तक पहुंचा और इससे वकीलों के प्रति नकारात्मक धारणा पैदा हुई। शिकायतकर्ता ने कथित भाषण की ऑडियो-वीडियो सामग्री वाली पेन ड्राइव भी न्यायालय में पेश की। हालांकि कोर्ट ने साफ किया कि अभी इसकी प्रामाणिकता या अंतिम साक्ष्य मूल्य तय नहीं किया गया है और इस स्तर पर सामग्री को केवल यह देखने के लिए माना जा रहा है कि कार्यवाही आगे बढ़ाने का पर्याप्त आधार है या नहीं।

कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास शाखा, सिमडेगा।

आम सूचना

सिमडेगा जिला के समस्त ग्रामीणों को सूचित किया जाता है कि सरकार के उप सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 010 PMAY-G(2.0)-02/2025/2344/प्रच/कि रांची, दिनांक 29.07.2026 के आदेश के प्रदाननधी अनुसार योजना-ग्रामीण के अनुसार पत्रा 2024 सर्वेक्षण अन्तर्गत सामागियों की स्वामी प्रतिष्ठा सूची FWL के जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदन एवं अंतिम प्रकाशन किया जाता है, जहां के आदेश के दिनांक 22/08/2026 से दिनांक 09/09/2026तक अनुसार पत्रा 2024 सर्वेक्षण से संबंधित आपत्तियों / अपीलें जिला /प्रखण्ड कार्यालय में आमंत्रित की जाती है।

इसप्रकार ग्रामीण आपत्तियों /अपीलें अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा, सिमडेगा को कार्यालय में प्रेषितिव प्रकीर्ण 10:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक कार्य दिवस में आपत्तियों /अपीलें दर्ज किया जा सकता है।

उप विकास आनुकता, सिमडेगा।

कृषि, पशुपालन, गव्य एवं सहकारिता विभाग की बैठक हुई संपन्न

नवप्रदेश संवाददाता

लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, गव्य विकास एवं सहकारिता विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में वषार्पात की स्थिति, बीज वितरण, बिस्सा फसल विस्तार योजना वर्ष 2026-27 की प्रगति, कृषक प्रशिक्षण, फसल उत्पादन कार्यक्रम, केंद्र प्रायोजित योजनाओं तथा सांख्यिक हेल्थ एवं फर्टिलिटी (मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता) कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी



एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए तथा अधिकाधिक किसानों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, झारखंड राज्य मिलेट्स मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड एवं फसल बीमा समेत अन्य संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर उपायुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि सुनिश्चित करने

तथा अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बिना पूर्व सूचना के बैठक से अनुपस्थित पाए गए वैज्ञानिक के प्रति नाराजगी व्यक्त की गई। संबंधित वैज्ञानिक को बिना सूचना अनुपस्थित रहने के कारण शोर्कांज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा

के क्रम में उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत लाभुकों के बीच पशु वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने लॉबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करते हुए पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पशुधन योजना अंतर्गत अभी तक हुए प्रगति की समीक्षा के क्रम में

उपायुक्त ने संबंधित सभी योजनाओं के संचालन के लिए लक्ष्य को पूर्ण करने और जन कल्याण के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी इन योजनाओं को शत प्रतिशत ग्रामीणों तक पहुंचा कर उन्हें इसका लाभ देने की बात कही।

उपायुक्त ने पशुओं के नियमित टीकाकरण, कुत्रिम गभार्धान की प्रगति बढ़ाने तथा पशुपालकों के बीच अधिकाधिक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। सहकारिता विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में निमाणाधीन गोदाम, लैंप्स में निर्मित गोदाम की अद्यतन स्थिति, गत माह तक निर्बाधित समितियों की संख्या, सौर ऊर्जा व विद्युत ऊर्जा चालित कोल्ड रूम की स्थिति की समीक्षा

कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध लक्ष्य प्राप्ति एवं लाभुकों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्य में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने का निर्देश दिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी श्रीमती नेहा निश्ठा, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुषमा प्रधिया, जिल जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला गव्य विकास पदाधिकारी श्री हरि कृष्ण, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्रीमती आशा टोप्पो एवं संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार के काले कानून के विरोध में झामुमो का पंचायत स्तरीय जागरूकता अभियान

लातेहार, 19 अगस्त 2026। केन्द्र सरकार द्वारा पारित कथित काले कानून के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का पंचायत स्तरीय जागरूकता अभियान बुधवार को लातेहार प्रखंड के भूसुर गांव में आयोजित किया गया। अभियान में झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

कार्यकर्ताओं ने गांव में भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया और केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कानून के प्रावधानों को लेकर लोगों को जागरूक किया। अभियान में महिला, पुरुष, युवा एवं बुजुर्गों की भागीदारी रही। ग्रामीणों ने केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए झामुमो के आंदोलन को समर्थन देने की बात कही। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अरुण कुमार दुबे एवं प्रभात कुमार ने कहा कि झामुमो जनता के बीच जाकर केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ लगातार जागरूकता अभियान चला रहा

है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर लोगों को कानून के संभावित प्रभावों की जानकारी देंगे। उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट होकर विरोध दर्ज कराने का आह्वान किया। पर्यवेक्षकों ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर पार्टी पीछे नहीं हटेगी। पंचायत स्तर पर अभियान को और मजबूत करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का निर्देश कार्यकर्ताओं को दिया गया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मौके पर झामुमो युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित पाण्डेय, प्रखंड अध्यक्ष आर्सेन तिर्की, नगर अध्यक्ष रिकू कच्छप, बासुदेव यादव, विशाल कुमार, मो. अरशद, बिपिन प्रसाद, अशोक यादव, राकेश अग्रवाल, रिशु राज गुप्ता, निलय गुप्ता, विनय साहू, अमोद यादव, बालेश्वर यादव मौजूद थे।

लातेहार जिले के सभी थाना परिसरों में थाना दिवस का आयोजन, 33 मामलों में 26 का निष्पादन

लातेहार। जिले के सभी थाना परिसरों में थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। थाना दिवस के दौरान भूमि संबंधित 27, महिला संबंधित 04 एवं अन्य 02 सहित कुल 33 मामले प्राप्त हुए। इनमें से 26 मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। आयोजन के दौरान अपने-अपने क्षेत्र के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), अंचल अधिकारी (सीओ) एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों एवं शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों के त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन की दिशा में कार्रवाई की। थाना दिवस का उद्देश्य पुलिस एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए थाना दिवस में आवेदन देने तथा प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की।

शोकाकुल परिवार से मिले महेश सिंह, जताई गहरी संवेदना

लातेहार नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह ने



नगर पंचायत अंतर्गत पहाड़पुरी निवासी गुड्डू भुईया की धर्मपत्नी के निधन की दुःखद सूचना पर उनके आवास पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस कठिन समय में परिवार को हर संभव सहयोग एवं मदद का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर गढ़वा जिला प्रभारी सह पूर्व जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह , मंडल प्रभारी पंकज यादव भाजपा नेता नामगणि कुमार सहित नगर पंचायत के पदाधिकारी एवं प्रखंड के कर्मी उपस्थित रहे। दुःख की इस घड़ी में हम सभी शोकाकुल परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

बारिश में पुनिया मसोमात का घर गिरा

बब्लू खान/लातेहार जिले के ग्राम टुपुखुर्द, पंचायत बेदी में लगातार बारिश के कारण पुनिया मसोमात, पति स्वर्गीय कामेश्वर काण का कच्चा मकान गिर गया। मकान गिरने से परिवार के सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सहायता की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने भी पीड़ित परिवार को तत्काल राहत सामग्री और आवास उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि परिवार सुरक्षित रह सके।

भारी बारिश में रामप्रसाद का खपरैल घर ध्वस्त, मुआवजे की मांग

बब्लू खान/लातेहार। सखर प्रखंड के भूसुर पंचायत के जालिम कला गांव स्थित करमाही टोला में दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण मंगलवार को रामप्रसाद राम का खपरैल मकान ध्वस्त हो गया। घर गिरने से दरवाजा, बर्तन, पलंग और खाद्य सामग्री समेत अन्य सामान बर्बाद हो गए। रामप्रसाद ने बताया कि मकान ध्वस्त होने से परिवार के सामने रहने और भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने प्रखंड प्रशासन से क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा एवं राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

खनिज संशोधन बिल के विरोध में हेमपुर में उबाल, ग्रामीणों ने कहा—जल, जंगल और जमीन से समझौता नहीं

:जेएमएम की बैठक में केन्द्र सरकार के खिलाफ जताया आक्रोश, खनिज संपदा की रक्षा के लिए आंदोलन तेज करने का ऐलान:

बालुमाथ संवाददाता बालुमाथ प्रखंड अंतर्गत धांधू पंचायत के हेमपुर गांव में बुधवार, 19 अगस्त 2026 को झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंधू ने की, जबकि जिला उपाध्यक्ष सह प्रभारी कामेश्वर भोक्ता की निगरानी



में बैठक संपन्न हुई। बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा पारित खनन एवं खनिज विकास एवं विनियम संशोधन बिल 2026 को लेकर ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया।बैठक में हेमपुर गांव के

ग्रामीणों में बिल को लेकर काफी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा, जल, जंगल और जमीन यहां के लोगों के अधिकार और भविष्य से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि

झारखंड के महापुरुषों ने अपनी माटी और अधिकारों की रक्षा के लिए बलिदान दिया है और जरूरत पड़ने पर ग्रामीण भी संघर्ष के लिए तैयार हैं।ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि हूजल हमारा, जंगल हमारा और जमीन हमारी है, तो दिल्ली में बैठकर कानून बनाने वाली सरकार कौन होती है?ह्र ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नए कानून के माध्यम से झारखंड की खनिज संपदा पर नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे

राज्य के हितों को नुकसान पहुंच सकता है।बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह लड़ाई केवल खनिज संपदा की नहीं, बल्कि सम्मान, माटी और भविष्य की लड़ाई है। ग्रामीणों ने कहा कि वे झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही धांधू क्षेत्र से गुजरने वाली रेलवे लाइन के माध्यम से कोयला बाहर भेजे जाने को लेकर भी विरोध जताया गया।बैठक में विसुत्री अध्यक्ष

नागदेव, जिला कोषाध्यक्ष मनोज यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष रिना उरांव, जिला संयुक्त सचिव पेशवर्मा उरांव, जिला सचिव अबुल, प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंधू, प्रखंड सचिव कमिल देव उरांव, मीडिया प्रभारी मो. अतीक अंसारी, परमेश्वर उरांव, सरफराज अंसारी, मो. इमरान, मो. इनामुल, राजेश यादव, संतोष उरांव, साबिर अंसारी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

केन्द्र सरकार के काले कानून के विरोध में झामुमो का पंचायत स्तरीय जागरूकता अभियान



नवप्रदेश/लातेहार, 19 अगस्त 2026 केन्द्र सरकार द्वारा पारित काले कानून के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) द्वारा चलाए जा रहे पंचायत स्तरीय जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को लातेहार प्रखंड के भूसुर गांव में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। अभियान के दौरान झामुमो

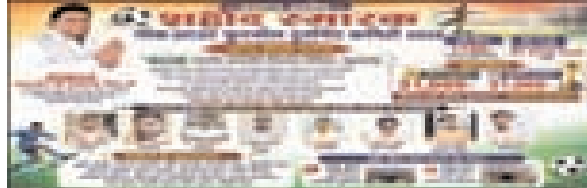
कार्यकर्ता पूरे गांव में भ्रमण करते हुए ग्रामीणों से संवाद किया और केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कथित काले कानून के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। इस दौरान महिला, पुरुष, बुजुर्ग एवं युवा समेत ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीणों ने अभियान के दौरान केन्द्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया और झामुमो के आंदोलन को अपना समर्थन देने की बात

कही। कार्यक्रम में बतौर पर्यवेक्षक उपस्थित श्री अरुण कुमार दुबे एवं श्री प्रभात कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ झामुमो लगातार जनता के बीच जाकर जागरूकता अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर लोगों को कानून के प्रावधानों और उसके संभावित प्रभावों की जानकारी देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों से

प्रखण्ड स्तरीय शहीद स्मारक नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का जल्द होगा शुभारंभ

नवप्रदेश/महुआडांड/महुआडांड प्रखण्ड अंतर्गत स्थानीय आवासीय विद्यालय स्टेडियम में प्रखण्ड स्तरीय शहीद स्मारक नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किया जाएगा। टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उत्कृष्ट विधायक एवं मनिका विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक सह झारखंड विधानसभा सभापति आदरणीय श्री रामचन्द्र सिंह जी उपस्थित होंगे।

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के लिए इंट्री फीस 1,100 प्रति टीम निर्धारित की गई है। कमिटी द्वारा टीम इंट्री कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 31,000 तथा द्वितीय पुरस्कार 21,000 रखा गया है। वहीं तीसरे एवं चोथे स्थान पर रहने वाली टीमों



को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। टूर्नामेंट कमिटी के पदाधिकारियों में आभिर सुहेल अध्यक्ष, सुबोध खलखो उपाध्यक्ष, पप्पू खान उपाध्यक्ष, सद्दाम आलम उर्फ शेरु सचिव, राजू खान उपसचिव, शहीद अख्तर खेल प्रभारी, राजेश ठाकुर सोशल मीडिया चेयरमैन लातेहार तथा सद्दाम खान कोषाध्यक्ष हैं। कमिटी के सदस्यगणों में जुनैद अंसारी, सफरुल अंसारी, नवीन खलखो, अफरोज खान, खुशदिल खान, सलमान अहमद, रहमान अहमद, बाबु इमरान खान, तनवीर आजाद, अभिषेक केरकेट्टा, राहुल

गुप्ता, कन्हैयालाल श्रीवास्तव, राजा गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, प्रिंस गुप्ता एवं साहिल खान शामिल हैं। कमिटी की ओर से सभी इच्छुक टीमों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपनी टीम की इंट्री करा लें। इंट्री फीस जमा करने के लिए पप्पू खान हाई फैशन (कपड़ा दुकान) तथा सद्दाम खान - चप्पल दुकान, अंबेडकर चौक, महुआडांड पर संपर्क किया जाएगा। इंट्री फीस जमा कराने के लिए मोबाइल नंबर इस तरह से हैं - १ पप्पू खान - 9955027909 २ सद्दाम खान - 9142211305

महुआडांड जामा मस्जिद में रबी-उल-अव्वल शरीफ को लेकर बैठक

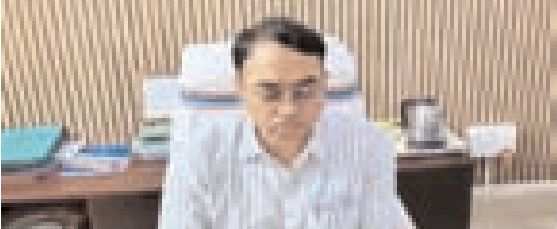
महुआडांड। हर वर्ष के तरह इस वर्ष भी रबी-उल-अव्वल शरीफ का जुलूस पुरे अकीदत व धुमधाम से निकाला जाएगा।जिसे लेकर बुधवार को जामा मस्जिद में सदर मोहम्मद रहेान रजा के अध्यक्षता में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में रबी-उल-अव्वल शरीफ के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं जुलूस को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 26 अगस्त दिन बुधवार को सुबह 8-30 बजे जामा मस्जिद से जुलूस निकाला जाएगा,और जो भी कार्यक्रम होते आ रहा उससे और बेहतर अंदाज में किया जाएगा।पुरे जुलूस मे नातखानी,सलाम दूरुद शरीफ और जगह जगह पर ओलमाओं के द्वारा तकरीर किया जाएगा।कमिटी के द्वारा मुस्लिम समुदाय के सभी लोगों से जुलूस में शामिल होने के लिए ससमय आने की अपील की गई है ताकि जुलूस व संबंधित कार्यक्रम को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा सके। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। मौके पर सदर मजूल अंसारी,नाईस सदर सद्दाम आलम उर्फ शेरु ,सिद्धेटी अब्दुल मतीन उर्फ गुड्डू मोहम्मद सहाबुद्दीन, खजांची सुहेल अख्तर व फिरोज अंसारी,नाईस खजांची मोहम्मद अस्रम अहमद,पूर्व सदर इमरान अली, आजाद अहमद, फहीम खान,हय्यम अंसारी, मौलाना सुबेह रजा, खुशींद आलम,नुरुल होदा, अब्दुल जब्बार अंसारी, राशिद खान, मंजूर हसन समेत अन्य लोग मौजूद थे।

चंदवा स्थित टोरी रेलवे फाटक का कार्य वर्ष 26- 27 के लिए प्रस्तावित किया गया

चंदवा टोरी रेलवे फाटक जाम की समस्या को लेकर सामाजिक विचार मंच के संयोजक कवलजीत सिंह के द्वारा पीएमओ(प्रधानमंत्री कार्यालय) को 14 .6.26 को शिकायत दर्ज कराई गई थी, उस पर पीएमओ ने कार्रवाई करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक ,पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया था. इस पर वरीय मंडल अभियंता (5)पूर्व मध्य रेल /धनबाद के द्वारा पत्रांक डब्ल्यू466 जारी करते हुए सामाजिक विचार मंच के संयोजक कवलजीत सिंह को यह सूचित किया गया कि चंदवा ,टोरी रेलवे ओवर ब्रिज (फट्टइ) के निर्माण के लिए वर्ष 2026-27 के लिए कार्य प्रस्तावित किया गया है .विदित हो कि चंदवा ,टोरी में रेलवे ओवरब्रिज नहीं होने के कारण प्रतिदिन 15 से 20 घंटे फाटक बंद रहता है, जिसके कारण आम नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ,इस कार्य के पूर्ण होने पर आम लोगों को राहत मिलेगी

एक नजर

पलामू में नशा माफियाओं पर कसेगा शिकंजा



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध बिज्जी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग पर रोक लगाने की कार्रवाई की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अफीम, गांजा समेत अन्य नशीले पदार्थों के संभावित तस्करी मार्गों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी और सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर ड्रग इंस्पेक्टर से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश भी दिया गया। पुलिस और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सूचना तंत्र मजबूत करने को कहा गया।

भारी बारिश से कहीं राहत तो कहीं आफत



नवप्रदेश/पलामू में 13 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश से किसानों को राहत मिली, वहीं कई क्षेत्रों में भारी नुकसान भी हुआ। सतबरवा के मुरमा क्षेत्र में नहर से खेतों तक पानी पहुंचने से किसानों में खुशी है। दूसरी ओर रेवारातू में तेज जलप्रवाह से आहर का बांध टूट गया, जिससे सैकड़ों एकड़ धान की फसल प्रभावित हुई और मछलियां भी बह गईं। रबदा क्षेत्र में औरंगा नदी के तेज बहाव में वाहन बहने की घटना सामने आई। सतबरवा और तुंगागाड़ा में घरों व दुकानों में पानी घुस गया और प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने और बांध की मरम्मत की मांग की है।

12 स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान

नवप्रदेश/पलामू। अपराध नियंत्रण और अवैध हथियार व मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के उद्देश्य से पलामू पुलिस ने जिले में 12 स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान 324 दोपहिया और 226 चारपहिया वाहनों की जांच की गई। बिना नंबर प्लेट, फेंसी नंबर प्लेट, ब्लैक फिल्म, अतिरिक्त लाइट या अन्य संशोधन, नशे में वाहन चलाने, बिना हेल्मेट और बिना सीट बेल्ट चलने वालों की जांच की गई। पुलिस ने असामाजिक तत्वों पर निगरानी बढ़ाने और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

बच्ची की पढ़ाई की चिंता पर उपायुक्त ने लिया तत्काल सज़ान



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। जन समाधान कार्यक्रम में कक्षा पांच की छात्रा कृतिका कुमारी ने उषायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत को अपनी समस्या बताई। उसने बताया कि भारी बारिश और कोयल नदी का जलस्तर बढ़ने से उसके घर में पानी घुस गया था, जिससे उसकी किताबें, कॉपियां और पढ़ाई की अन्य सामग्री बह गई। बच्ची की पेशानी सुनकर उपायुक्त ने तत्काल जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले का स्वागत

नवप्रदेश/पलामू। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रमंडलीय प्रवक्ता आशुतोष कुमार तिवारी ने जेएसएससी-सीजीएल सहित विवादित भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह छात्रों और युवाओं की लंबे समय से चली आ रही मांगों की जीत है। उन्होंने नई भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त बनाने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही अभ्यर्थियों के भविष्य और उम्र को देखते हुए उन्हें उचित अवसर देने की मांग उठाई।

झारखंड-बिहार सीमा पर पुलिस ने बनाई संयुक्त रणनीति



नवप्रदेश/पलामू। छतरपुर अनुमंडल कार्यालय में झारखंड-बिहार सीमा क्षेत्र में अपराध, उग्रवाद और तस्करी पर रोक लगाने को लेकर अंतर्रांतीय समन्वय बैठक हुई। दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों ने सीमावर्ती इलाकों में बेहतर निगरानी और सूचना के त्वरित आदान-प्रदान पर सहमति जताई। सद्विध वाहनों व व्यक्तियों की जांच बढ़ाने, चेकपोस्ट मजबूत करने तथा वांछित अपराधियों और वारंटियों की सूची साझा कर संयुक्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। अवैध हथियार, मादक पदार्थ, शराब और पशु तस्करी के खिलाफ भी संयुक्त अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

साहित्यिक मिलन में पुस्तकों का हुआ आदान-प्रदान



नवप्रदेश/पलामू। मेदिनीनगर स्थित संत मरियम आवासीय विद्यालय में साहित्यकार हरिवंश प्रभात और युवा साहित्यकार विनोद सागर के बीच साहित्यिक मुलाकात हुई। विनोद सागर ने अपनी लघुकथा संग्रह उड़ान और अरण्य वाणी पत्रिका का नया अंक भेंट किया। वहीं हरिवंश प्रभात ने अपनी पुस्तक गीते गुंते तुम पर लिखना है भेंट की। इस दौरान साहित्य, शिक्षा, लेखन और समाज में साहित्य की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि साहित्य समाज को संवेदना, संस्कार और नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता ललन प्रजापति समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएन हेमंत सोरेन का कड़ा फैसला

झारखंड में सरकारी नौकरी की भर्ती परीक्षाओं को लेकर लंबे समय से उठ रहे सवालों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार का फैसला निश्चित रूप से कठोर और दुर्गामी प्रभाव वाला है। भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं की शिकायतों के बीच 22 से अधिक परीक्षाओं को रद्द करना, छह को स्थगित करना और पहले आयोजित 17 परीक्षाओं की सीआईडी जांच करने का निर्णय सामान्य प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है। यह उस व्यवस्था की गंभीरता को दर्शाता है, जिसमें पारदर्शिता और अर्थव्यंथों के भरोसे को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। सरकार के इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि उसने केवल शिकायतों को नजरअंदाज करने के बजाय पूरी भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा का रास्ता चुना है। परीक्षा संचालन एजेंसी की भूमिका पर उठे सवालों और छात्रों के आंदोलन के बीच यह कदम सरकार की जवाबदेही को भी रेखांकित करता है। यदि किसी भर्ती प्रक्रिया में वास्तव में गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। सरकारी नौकरियां युवाओं के भविष्य से जुड़ी होती हैं। इनमें किसी भी प्रकार की अनियमितता केवल एक परीक्षा को प्रभावित नहीं करती, बल्कि हजारों परिवारों की उम्मीदों पर असर डालती है। हालांकि इस फैसले का दूसरा पक्ष भी उठना ही गंभीर है। जिन अर्थव्यंथों ने पूरी मेहनत और ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी की, परीक्षा दी और सफलता हासिल की, उन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उनकी मेहनत को किसी और की गलती की सजा नहीं मिलनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि निदोष और योग्य अर्थव्यंथों के हितों की पर्याप्त सुरक्षा हो। नई परीक्षा या भर्ती प्रक्रिया में उन्हें उचित अवसर देने के साथ उम्र सीमा, परीक्षा शुल्क और तैयारी में लगे समय जैसे पहलुओं पर भी संवेदनशीलता से विचार करना होगा। सरकार ने छह परीक्षाओं को अगले आदेश तक स्थगित किया है और 17 परीक्षाओं की सीआईडी जांच का निर्णय लिया है। यह जांच निष्पक्ष, समयबद्ध और पारदर्शी होनी चाहिए। जांच का उद्देश्य केवल दोषी तलाशना नहीं, बल्कि यह पता लगाना भी होना चाहिए कि व्यवस्था में ऐसी खामियां कहाँ हैं, जिनका लाभ उठाकर अनियमितता संभव हुई। यदि किसी अधिकारी, एजेंसी या अन्य जिम्मेदार व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ बिना किसी राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव के कार्रवाई होनी चाहिए। भर्ती व्यवस्था में सुधार के लिए भारत ट्रैक कोर्ट, आंतरिक निगरानी प्रकोष्ठ और परीक्षा सुधार समिति गठित करने की पहल भी स्वागत योग्य है। लेकिन समितियाँ बनाने से अधिक महत्वपूर्ण उनके सुझावों को समय पर लागू करना है। परीक्षा प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, परीक्षा केंद्रों की पारदर्शी व्यवस्था, परिणामों की जांच और शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए मजबूत तंत्र बनाना जाना चाहिए। झारखंड के युवाओं को केवल नौकरी नहीं, बल्कि निष्पक्ष अवसर चाहिए। मुख्यमंत्री का यह कड़ा फैसला तभी सार्थक माना जाएगा, जब इसके बाद ऐसी व्यवस्था तैयार हो जिसमें किसी अर्थव्यंथ को परीक्षा की निष्पक्षता पर संदेह न रहे। प्रष्टाचार और धांधली के खिलाफ सख्ती जरूरी है, लेकिन उसके साथ ईमानदार अर्थव्यंथों के हितों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। सरकार को अब जांच के साथ न्याय और सुधार—दोनों को प्राथमिकता देनी होगी। यही झारखंड के युवाओं के भविष्य और राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में विश्वास बहाल करने की वास्तविक दिशा होगी।

मुद्दा : व्यंग

दिमागी नक्सलवाद: बंदूक से विचार तक की चुनौती

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब 21वीं सदी की उन दशकों पुरानी चुनौतियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिन्होंने भारत की विकास यात्रा को लंबे समय तक प्रभावित किया, तो उनके भाषण का एक शब्द विशेष रूप से वहां का विषय बन गया—दिमागी नक्सल। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद और माओवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं देखा, बल्कि उसके कारण बंदी हुए युवा, उजड़े परिवार और माताओं से छिने उनके बेटों की पीड़ा का भी उल्लेख किया। उनका संदेश स्पष्ट था कि बंदूक उठाने वाला नक्सलवाद जितना खतरनाक है, उतना ही खतरनाक वह विचार भी हो सकता है, जो हिंसा, अलगाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास को वैचारिक समर्थन देता है। यहीं से दिमागी नक्सल शब्द को लेकर देश में नई बहस शुरू हुई है। भारत में नक्सलवाद का इतिहास कई दशक पुराना है। पश्चिम बंगाल के नक्सलवाद से शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे देश के अनेक हिस्सों में फैलता गया। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कई क्षेत्रों में नक्सली हिंसा ने अपनी जड़ें जमाईं। एक समय ऐसा था जब देश के बड़े भूभाग को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता था। सशक्त निगराण से लेकर स्कूल भवन तक, सरकारी संस्थान से लेकर सुरक्षा बलों के शिविरों तक, हिंसा का साया दिखाई देता था। बिहार और झारखंड के ग्रामीण इलाकों में नक्सली गतिविधियां का प्रभाव लंबे समय तक रहा। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में तो स्थिति और भी गंभीर रही। सुरक्षा बलों और सशस्त्र हथकौड़ी मुठभेड़, बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल, सरकारी संपत्ति को नुकसान और निर्दोष ग्रामीणों पर दबाव—इन घटनाओं ने विकास की गति को प्रभावित किया। यह कहना उचित होगा कि नक्सलवाद का सबसे बड़ा नुकसान केवल सुरक्षा बलों या सरकारी संपत्ति को नहीं हुआ। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन गरीब और आदिवासी परिवारों को हुआ, जिनके नाम पर नक्सली राजनीति करने का दावा करते रहे। जिन क्षेत्रों में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सबसे अधिक आवश्यकता थी, उन्हीं क्षेत्रों में हिंसा ने विकास के रास्ते को लंबे समय तक बाधित किया। केंद्र सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए सुरक्षा कार्रवाई के साथ—साथ सड़क, मोबाइल नेटवर्क, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, बेहतर खुफिया तंत्र और केंद्र—राज्य के समन्वय के कारण नक्सली हिंसा का प्रभाव काफी कम हुआ है। हालांकि, इस परिवर्तन को केवल किसी एक सरकार की उपलब्धि के रूप में देखना इतिहास को सरल बनाना होगा। नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष में अनेक सरकार, सुरक्षा बल और राज्य पुलिस के जवानों ने बलिदान दिया है, लेकिन यह भी सत्य है कि पिछले वर्षों में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास की रणनीति को अधिक कामगार और समर्थन प्र द दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप नक्सली हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई। इस शब्द का अर्थ समझने के लिए हमें बंदूक से आगे बढ़कर विचार की दुनिया को समझना होगा। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक अधिकार है। वसा की नीतियों का विरोध करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। किसी विचारधारा से असहमति भी लोकतांत्रिक अधिकार है। इसलिए हर सरकार—विरोधी व्यक्ति, हर वामपंथी विचारक हर अब आलोचक को हार्दिमागी नक्सलज्घ कहना न तो उचित होगा और न ही लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वीकार्य। लेकिन यदि कोई विचार हिंसा को जायज ठहराता है, संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने को तैय्य बनाता है, युवाओं को लोकतांत्रिक रास्ते के बजाय हथियार उठाने के लिए प्रेरित करता है या देश की एकता और एखंडता को कमजोर करने वाली हिंसक राजनीति को वैचारिक संरक्षा देता है, तो उस विचारधारा पर सवाल उठाना आवश्यक है। यही दिमागी नक्सल की बहस का मूल बिंदु होना चाहिए। आज का भारत 20वीं सदी के भारत से अलग है। सोशल मीडिया, इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विचारों के प्रसार को अत्यंत तेज कर दिया है। एक विचार कुछ ही मिनेटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। ऐसे में हिंसा या अतिवाद को वैचारिक रूप से आकर्षक बनाना पहले की तुलना में आसान भी हो गया है।



डॉ मर्याद चतुर्वेदी

भारतीय परिचरता में अक्सर माता-पिता जीवनभर की कमाई से घर बनाते हैं और बाद में बच्चों के नाम संपत्ति कर देते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब संपत्ति हस्तांतरण के बाद वही बच्चे माता-पिता की उपेक्षा करने लगते हैं, इसलिए आज सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का सबसे बड़ा सामाजिक संदेश शायद यही है कि बुजुर्गों की सुरक्षा को पारिवारिक दया पर नहीं छोड़ा जा सकता।



डॉ देवेश चतुर्वेदी

एक ओर जहाँ प्राकृतिक खेती को अपनाने से खेती में स्थायित्व आ रहा है, वहीं दूसरी ओर इससे पशुधन के आर्थिक मूल्य को बढ़ाने में भी मदद मिल रही है, जिनका आम तौर पर दूध देने की उम्र खत्म होने के बाद परित्याग कर दिया जाता है। इसका एक और फायदा यह है कि घरेलु उपभोग और निर्यात के लिए सुरक्षित भोजन मिलता है, साथ ही देश की कीमती विदेशी मुद्रा की भी बचत होती है।



योगेश कुमार गोयल

भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

अभिव्यक्ति

प्राकृतिक खेती : आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम



के असंतुलित उपयोग ने उन लाभकारी सूक्ष्मजीवों और कीड़ों को भी कम कर दिया है, जो मिट्टी की संरभ्रता को बेहतर बनाने और गहरी मिट्टी से पोषक तत्वों को ऊपरी मिट्टी तक स्थानांतरित करने में मदद करते हैं, ताकि पौधे उन्हें अवशोषित कर सकें।

एक अन्य चिंताजनक प्रभाव उपज की गुणवत्ता और सुरक्षा पर पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि रसायन खाने-पीने और पशु चारे की श्रृंखला में पहुंच जायेंगे और आखिरकार मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करेंगे। ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें फलों, सब्जियों, अनाज और अन्य वाणिज्यिक फसलों में कीटनाशकों का न्यूनतम अवशेष स्तर तब सीमा को पार कर गया है, जिसके चलते निर्यात की खेपें रद्द होती हैं और वैश्विक बाजार में ब्रांड इंडिया की छवि पर बुरा पड़ता है।

हालांकि ये चिंताएँ कुछ समय से व्यक्त की जा रही हैं, लेकिन सरकार ने वर्ष 2024 में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की, जिसका मुख्य उद्देश्य सतत कृषि के लिए पशुधन या गाय आधारित रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देना है, ताकि मिट्टी की सेहत खासकर एसओसी में सुधार हो सके, पौष्टिक तत्वों के अवशोषण की क्षमता बढ़ सके और रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर देश की निर्भरता कम हो सके।

प्राकृतिक खेती, जिसे इसके समर्थकों द्वारा आमतौर पर 'जोरो बजट खेती' कहा जाता है, एक ऐसी तकनीक पर आधारित है, जिसे किसानों ने कई सालों तक आजमाया और परखा है तथा इसे मान्यता दी है। इसके परिणाम भी बहुत उत्साहजनक रहे हैं। यह एक समग्र तकनीकी समाधान पर आधारित है, जिसमें स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया जाता है, जैसे स्थानीय नस्ल की गाय का गोबर और गोमूत्र, जिनकी लागत किसान के लिए लगभग शून्य होती है।

बीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाला बीजामृत सूत्र बेहतर अंकुरण और मजबूत पौधों में मदद

भारत के ऊर्जा भविष्य की नयी तस्वीर



मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक गिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनएरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एलएलएमएम नियम और पीएलआई स्क्रीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्युल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा,

बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पेट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पेट्रोलियम इच्छाई ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी घरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। इसी कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा

प्रभावशीलता को वैज्ञानिक रूप से मान्यता देने के लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। आईसीएअर संस्थानों की निगरानी में किए गए कई प्रयोगों ने कई फसलों के लिए बहुत सकारात्मक परिणाम दिए हैं और अब मिशन के जरिए इनका प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

प्राकृतिक उत्पादों का विपणन एक और महत्वपूर्ण रणनीति है, जो किसानों की आय में वृद्धि करेगी और उन्हें इन प्रथाओं को जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक कृषि केंद्र (एससीओएनएफ) ने प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाणीकरण नियम बनाये हैं। बड़ी संख्या में किसानों ने पहले ही सहभागी गारंटी प्रणाली (पीजीएस) प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए हैं, जिससे वे अपने प्रमाणित विशिष्ट उत्पाद को ऊंची कीमतों पर बेच सकते हैं।

एक तरफ जहां इस मिशन के तहत प्रामाण, विपणन और ब्रांडिंग के साथ शुद्ध प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ एक हाइब्रिड मॉडल को प्रोत्साहन देने की रणनीति में यह दिखाया गया है कि प्राकृतिक खेती की प्रथाओं को अपनाने और रासायनिक उर्वरकों की खुराक को कम करने से भी लंबे समय तक उत्पादकता बनी रह सकती है और मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। इस मॉडल को व्यापक स्वीकार्यता मिल सकती है। इसे अपनाने वाले किसानों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हाइब्रिड मॉडल में प्राकृतिक खेती की प्रथाओं को अपनाने से रासायनिक उर्वरकों पर धीरे-धीरे निर्भरता कम होती है। यहाँ तक कि कुछ समय बाद, किसान कई फसलों में रासायनिक खाद का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर सकते हैं और फिर भी उतनी ही पैदावार और आमदनी बनाए रख सकते हैं।

मध्य पूर्व में चाल रहे मौजूदा संकट से पैदा हुई चुनौतियों को सामना करने के लिए, हमारे मानवीय प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों से सात सूत्रीय अपील की है, जिनमें रासायनिक खाद का समझदारी से इस्तेमाल और प्राकृतिक खेती को अपनाना शामिल हैं।

एक ओर जहाँ प्राकृतिक खेती को अपनाने से खेती में स्थायित्व आ रहा है, वहीं दूसरी ओर इससे पशुधन के आर्थिक मूल्य को बढ़ाने में भी मदद मिल रही है, जिनका आम तौर पर दूध देने की उम्र खत्म होने के बाद परित्याग कर दिया जाता है। इसका एक और फायदा यह है कि घरेलु उपभोग और निर्यात के लिए सुरक्षित भोजन मिलता है, साथ ही देश की कीमती विदेशी मुद्रा की भी बचत होती है।

(लेखक भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पूर्व सचिव हैं)

बुजुर्गों की छत पर अब बच्चों का अधिकार नहीं, माता-पिता की गरिमा सर्वोपरि



औपचारिकता मानकर नहीं देखा जा सकता। यदि बुजुर्ग की देखभाल, सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए किसी बच्चे या रिश्तेदार को संपत्ति से हटाना आवश्यक हो, तो ऐसी राहत दी जा सकती है।

यानी अदालत का संदेश साफ है कि

संपत्ति पर अधिकार मालिकाना दस्तावेज का विषय नहीं है; जब उस संपत्ति में रहने वाला वरिष्ठ नागरिक अपने ही बच्चों से असुरक्षित हो जाए, तब कानून का पहला उद्देश्य उसकी सुरक्षा और गरिमा बन जाता है। इसलिए न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए इस दिशा में निर्णय बताते हैं कि

बुजुर्गों का हक उनकी अर्जित संपत्ति पर उनके जिवित रहते हुए संदेव ही बना रह सकता है। इस संबंध में सितंबर 2025 में कमलाकांत मिश्रा बनाम अतिरिक्त कलेक्टर मामले की भी देखा जा सकता है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ नागरिक ट्रिब्यूनल की बेदखली संबंधी शक्ति को और स्पष्ट किया। लगभग 80 वर्षीय कमलकांत मिश्रा और उनकी 78 वर्षीय पत्नी की संपत्तियों पर उनके बेटे ने कब्जा कर लिया था और उन्हें अपनी ही संपत्तियों में रहने नहीं दिया जा रहा था। ट्रिब्यूनल ने संपत्ति खाली कराने और माता-पिता को मासिक भरण-पोषण देने का आदेश दिया था, लेकिन बाँबू हाईकोर्ट ने उसे रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के दृष्टिकोण को गलत माना और कहा कि कल्याणकारी कानून के तहत ट्रिब्यूनल को ऐसी स्थिति में बच्चे या रिश्तेदार को हटाने की शक्ति हो सकती है। इसी तरह से यह फैसला मौजूदा निर्णय के कानूनी आधार को समझने में खासा महत्वपूर्ण है। जिसमें कि उर्मिला दीक्षित बनाम सुनील शरण दीक्षित जनवरी 2025 केस में भी सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और भरण-पोषण से जुड़े कानून को कल्याणकारी प्रकृति को रेखांकित किया। यदि इन फैसलों को साथ रखकर देखें तो तस्वीर और साफ होती है। न्यायालय अब वरिष्ठ नागरिक कानून को

आज सिर्फ आर्थिक भरण-पोषण का कानून नहीं मान रही हैं। इसके केंद्र में बुजुर्ग का सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन है। भारतीय परिवारों में अक्सर माता-पिता जीवनभर की कमाई से घर बनाते हैं और बाद में बच्चों के नाम संपत्ति कर देते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब संपत्ति हस्तांतरण के बाद वही बच्चे माता-पिता की उपेक्षा करने लगते हैं, इसलिए आज सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का सबसे बड़ा सामाजिक संदेश शायद यही है कि बुजुर्गों की सुरक्षा को पारिवारिक दया पर नहीं छोड़ा जा सकता। माता-पिता ने बच्चों को पालने में अपनी जिंदगी लगा दी, इसका अर्थ यह नहीं कि बुढ़ापे में उन्हें उसी घर में अपमान सहने के लिए मजबूर किया जाए। कानून यहां परिवार को बुजुर्ग को संरक्षण देने के लिए कह रहा है। यहां समझ लें कि अदालत का हस्तक्षेप उस अंतिम दीवार की तरह है, जिसके पीछे एक बुजुर्ग अपने सम्मान के साथ खड़ा हो सकता है और यही इस फैसले का व्यापक अर्थ है। जिस व्यक्ति ने जीवनभर परिवार को घर दिया, उसे जीवन के अंतिम पड़ाव में अपने ही घर में गरिमा से रहने का अधिकार भी कानून सुनिश्चित करता है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

SIR- 2026 को लेकर प्रशासन अलर्ट, उपायुक्त ने सतगावां में कसी चुनावी व्यवस्था, पारदर्शी पुनरीक्षण के लिए सख्त निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता	
	
कोडरमा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कोडरमा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित कार्य प्रगति पर है। विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सतगावां प्रखंड कार्यालय सभागार में उप निर्वाचन पदाधिकारी, आरओ , बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बैठक के दौरान जिले में रकम2026 के तहत संचालित कार्यों की प्रगति एवं आगामी	

जीटी रोड किनारे बसे 300 घरों की बढ़ी परेशानी,बारिश में कीचड़ तो धूप में उड़ रही धूल

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड की बहेरा पंचायत के महुदी गांव में जीटी रोड निर्माण कार्य के दौरान कथित लापरवाही से स्थानीय ग्रामीणों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। जीटी रोड के किनारे बसे बहेरा पंचायत के महुदी, जोकट और बारा गांव के करीब 300 घरों के बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक आवागमन की समस्या से जूझ रहे हैं। निर्माण कार्य के कारण कई घरों के सामने रास्ता बाधित हो गया है, जिससे लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है।बहेरा पंचायत की मुखिया पूजा कुमारी ने निर्माण कार्य की बढ़ाहत स्थिति का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए संबंधित एजेंसी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान ग्रामीणों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जा रहा है। बारिश होने पर निर्माण स्थल और आसपास के रास्तों में कीचड़ जमा हो जाता है, जिससे लोगों को घर से बाहर निकलने में परेशानी होती है। वहीं, धूप निकलने के बाद सड़क निर्माण के कारण उड़ने वाली धूल-गर्द से लोगों का जीना मुश्किल हो जाता है।मुखिया ने कहा कि निर्माण कार्य की धीमी गति और मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण जीटी रोड के किनारे रहने वाले ग्रामीणों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। बच्चों को स्कूल जाने, बुजुर्गों को आने-जाने तथा मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर सड़क की खुदाई और निर्माण सामग्री के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।वैकल्पिक रास्ते और सुरक्षा व्यवस्था की मांग मुखिया पूजा कुमारी ने कहा कि निर्माण एजेंसी को काम के दौरान ग्रामीणों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग, जल निकासी और धूल से बचाव की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन और एनएचएआई से मामले का तत्काल सन्धान लेते हुए निर्माण कार्य की स्थिति की जांच कराने तथा ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य जरूरी है, लेकिन इसके कारण आम लोगों का जीवन असुविधाजनक नहीं होना चाहिए। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की अपील की है।

32 बीमा कंपनियों से जुड़ा दृष्टि आई हॉस्पिटल, मरीजों को मिलेगा केशलेस उपचार

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण तालपुर में संचालित दृष्टि आई हॉस्पिटल ने मरीजों को राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। अस्पताल में अब जीआईसी इंश्योरेंस सहित कुल 32 प्रमुख बीमा कंपनियों के अंतर्गत केशलेस उप उपचार की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत पात्र बीमंत मरीजों को उपचार के लिए अग्रिम भुगतान नहीं करना पड़ेगा। इस सुविधा के माध्यम से मोक्षियद्विद की सर्जरी सहित विभिन्न पात्र नेत्र रोगों का उपचार बीमा के नियमानुसार केशलेस तरीके से कराया जा सकेगा।। इससे मरीजों और उनके परिजनों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को समय पर और सुलभ नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।दृष्टि आई हॉस्पिटल में अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों के साथ आधुनिक जांच उपकरण और उन्नत शल्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसका लाभ हजारोंबाग, कोडरमा, चतरा, गिरिडीह, रामगढ़, गया और नवादा समेत आसपास के जिलों के मरीजों को मिलेगा।अस्पताल प्रबंधन के डायरेक्टर इमरान खान ने बताया कि संस्थान का लक्ष्य बगैर जा सकने वाली दृष्टिहीनता को कम करना और ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा को सुलभ बनाना है। यह सुविधा क्षेत्र के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मां भगवती मंदिर में 68वें गुलजारी पूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक

नवप्रदेश/चौपारण। चतरा मंड स्थित मां भगवती मंदिर प्राणम में वार्षिक गांव गुलजारी पूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस वर्ष आयोजित होने वाले 68वें पूजा महोत्सव को लेकर विभिन्न तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 22 अगस्त को हवन, भंडारा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। वहीं, रात 9 बजे से पटना एवं बंगाल से आए कलाकारों द्वारा भक्ति जागरण प्रस्तुत किया जाएगा। पूजा महोत्सव को शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संचालन कराने के लिए कमेट्री का भी गठन किया गया। अध्यक्ष धनश्याम यादव, उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूजा महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। सचिव विशुन साहू ने कहा कि पूजा के दौरान किसी प्रकार का विवाद, अड़चन या अशांति उत्पन्न न हो, इसके लिए कमेट्री के सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में दिवाचन यादव, हेमराज साहू, नारद जी, दप्पू केशरी, विनोद केशरी, शंकर केशरी, अशोक केशरी, राहुल केशरी, उदय केशरी, रोहित केशरी, अर्जुन केशरी, राजेंद्र ठाकुर, संजय चंद्रवंशी, चौपारण मुखिया विनोद सिंह, वरिष्ठ सदस्य दिलीप राणा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से पूजा महोत्सव में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

कांझा-चाडिल पथ की 6.33 किमी सड़क 11 महीने बाद भी अधूरी, गड्डों से परेशान ग्रामीणों में आक्रोश

चाडिल : कांझा-चाडिल पथ के किमी 6.00 से 12.33 तक 6.33 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास 02 दिसंबर 2025 को किया गया था, लेकिन 11 महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। लगातार बारिश और भारी वाहनों के आवागमन से सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इस संबंध में एसडीएम नितिन शिवम गुप्ता की अध्यक्षता में चाडिल प्रखंड कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ तालेश्वर रविदास, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि टेडर प्रक्रिया पूरी होने तक संबंधित एजेंसी से सड़क को तत्काल मोटरबल कराया जाए। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सड़क के कार्य के लिए रिटेंडर की प्रक्रिया चल रही है और संबंधित सविका विभाग को भेजी जा चुकी है।

विधायक के निर्देश पर सिल्ली- रांगामाटी सड़क की मरम्मत शुरू

ईचागढ:- लगातार हो रही बारिश के कारण सिल्लीझरंगामाटी मुख्य सड़क पर जगह-जगह बड़- बड़े गड्डे बन गए हैं। इससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।स्थानीय विधायक सविता महतो को सड़क की जर्जर स्थिति की सूचना मिलते ही उन्होंने त्वरित सन्धान लिया। विधायक के निर्देश पर ईचागढ झामुमो प्रखंड सचिव अमित सिन्हा को सड़क पर बने गड्डों को तत्काल भरने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य कराने का निर्देश दिया गया। निर्देश के बाद सड़क के गड्डों की मरम्मत का कार्य शुरू कराया गया।स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई के लिए विधायक श्रीमती सविता महतो के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि बारिश के दौरान सड़क पर गड्डों के कारण आवागमन में काफी परेशानी हो रही थी। मरम्मत होने से लोगों को राहत मिलेगी।

विधायक ने बसरिया विद्यालय में 75 छात्र-छात्राओं को किया साइकिल वितरण

शिक्षकों की कमी दूर करने का विधायक ने दिया भरोसा

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के बसरिया स्थित उक्रमित उच्च विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव



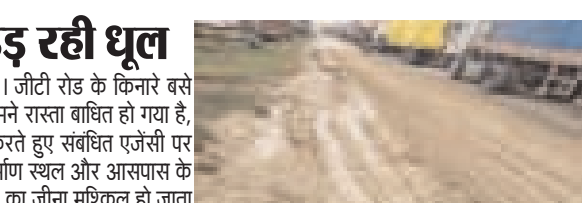
मतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। रकम के तहत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 05 अगस्त 2026 को किया जा चुका है तथा दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 05 अगस्त से 15 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह

उपायुक्त ने बीएलओ सुपरवाइजर व बीएलओ को बताया कि दावों एवं आपत्तियों के संग्रहण के लिए मतदान केंद्र स्तर पर द्वितीय विशेष शिविर 22 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। सभी संबंधित बीएलओ को निर्धारित शिविर में उपस्थित रहकर नागरिकों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने

निर्देशित किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में कोई भी योग्य मतदाता, मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे तथा किसी भी अयोग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित

समय, सीमा के अनुरूप संपन्न कराने का निर्देश दिया। साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 25 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक ह्रदोम टू रोलहू सत्यापन अभियान चलाते का निर्देश दिये और इस अभियान के दौरान बीएलओ द्वारा परिवारवार मतदाता विवरण का सत्यापन करेंगे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी संबंधित घरों पर रिस्टर लगायेंगे । उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिया कि सत्यापन कार्य पूरी गंभीरता एवं सावधानी के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का नियमानुसार सत्यापन एवं निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, पात्र मतदाताओं को आवश्यक

जानकारी एवं प्रक्रिया से अवगत कराने तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में एसआईआर के तहत घर, घर भ्रमण, इन्व्मेशन फॉर्म से संबंधित कार्य, एएसडीडी सूची के सत्यापन तथा मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियों के निष्पादन की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया वर्तमान में निर्धारित अवधि के अनुसार संचालित है। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मनोज कुमार रवि, सभी बीएलओ सुपरवाइजर व बीएलओ मौजूद रहे।



गिजली विद्यालय में गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर भारतीय संस्कृति और जीवन. मूल्यों का संदेश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। वैलनेस क्लब के विद्यार्थियों ने साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गोस्वामी तुलसीदास को किया नमन . तिलैया डैम स्थित गिजली विद्यालय में संत शिरोमणि एवं महान साहित्यकार गोस्वामी तुलसीदास की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। विद्यालय के सभागार में वैलनेस क्लब के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तुलसीदास के साहित्य, भारतीय संस्कृति तथा उनके द्वारा प्रसारित जीवन . मूल्यों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर माल्याण एवं गुणार्जलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी से संबधित अप्ठेक एवं मानवीय मूल्यों एवं आदर्श जीवन की जो सीख दी, वह आज भी अतर्क्य प्राप्तिगक है। रामचरितमानस केवल भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र से परिचित कराने वाला ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह सत्य, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्रता, करुणा एवं दूसरों के प्रति सम्मान जैसे जीवन-मूल्यों की भी शिक्षा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से इन



आदर्शों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर अपने व्यवहार एवं दैनिक जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने वैलनेस क्लब के विद्यार्थियों के इस सार्थक आयोजन की सरहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति एवं साहित्य से जोड़ने के साथ उनके चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। छात्र रुद्र ठाकुर ने गोस्वामी तुलसीदास की भूमिका का प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया। छात्रा मीनाक्षी कुमारी ने तुलसीदास के बाल्यकाल एवं जीवन से संबंधित प्रभावी मंच संचालन किया, तबनी, वैलनेस क्लब की सचिव, ने छात्रा, वैलनेस छात्रा श्रेया कुमारी, अध्यक्ष, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वैलनेस क्लब के विद्यार्थियों एवं संबंधित शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। तुलसीदास जयंती का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम न होकर भारतीय साहित्य, संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं गौरवशाली परंपरा को समझने और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का सार्थक अवसर सिद्ध हुआ।

लोहानी ट्रेडिंग में चदरा काटकर चोरी

नवप्रदेश/गुमला के बाजारटांड स्थित एमएस लोहानी ट्रेडिंग में चोरों ने चररा काटकर दुकान में प्रवेश किया और नकदी, चांदी के सिक्के, कॉपर तार समेत जरूरी कागजात चोरी कर लिए। संचालक अभिषेक लोहानी की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दहेज प्रताड़ना व दुष्कर्म का आरोप

नवप्रदेश/गुमलाआजाद बस्ती निवासी 24 वर्षीय महिला ने पति समेत समुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, दुष्कर्म, गर्भपात कराने, गहने लेने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

नवप्रदेश/गुमला गुमला पुलिस ने पुष्प चंपानगर निवासी 21 वर्षीय निखिल लकड़ा को ब्राउन शुगर जैसे पदार्थ की खरीद-बिक्री व सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस नशीले पदार्थ की सप्लाई के स्रोत की जांच कर रही है।

आंदोलनकारियों के आश्रितों के आरक्षण पर सरकार से जवाब मांगा

नवप्रदेश/गुमलाझारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आंदोलनकारियों के बाल-बच्चों एवं आश्रितों के क्षैतिज आरक्षण का अधिकार लागू करने की मांग की है। उन्होंने निुक्तियों में आरक्षण का प्रावधान नहीं होने पर जांच और कार्रवाई की मांग की।

सड़क सुरक्षा अभियान में 56 हजार जुमाना

नवप्रदेश/गुमला चैनपुर थाना क्षेत्र में जिला परिवहन विभाग ने विशेष जांच अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की। मोटरवाहन निरीक्षकों की टीम ने जांच के दौरान कुल 56 हजार रुपये का जुमाना वसूला और वाहन चालकों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर शिक्षा विभाग सक्रिय

नवप्रदेश/गुमला बोर्ड परीक्षा 2027 में बेहतर परिणाम के लिए गुमला शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। सितंबर में अर्धवार्षिक परीक्षा, माॅक टेस्ट, रेंमेडियल कक्षाएँ, प्री-बोर्ड और निर्यात साप्ताहिक टेस्ट कराने की योजना बनाई गई है। विद्यार्थियों को विषयवार अभ्यास सामग्री और मॉडल प्रश्नपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

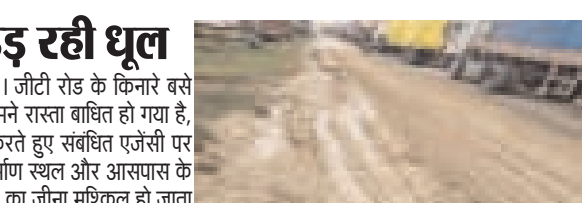
विश्व फोटोग्राफी व मानवतावादी दिवस पर बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

नवप्रदेश/गुमलासांता पब्लिक स्कूल, शास्त्री नगर के कक्षा 3 से 10 तक के विद्यार्थियों ने बुधवार को एसडीपीओ कार्यालय, प्रधान दफ्तर और अंचल कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों ने पुलिस, डाक एवं प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली समझी और अधिकारियों से जानकारी ली। विद्यालय के निदेशक हेमंत कुमार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएँ मौजूद रहे।

झारखंड

राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा में राखी

बनाओ और भेजो प्रतियोगिता का आयोजन



नव प्रदेश/कोडरमा। राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा के विद्यार्थियों ने भारतीय डाक विभाग द्वारा आयोजित राखी बनाओ और भेजो प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के प्रति प्रेम, भावनात्मक जुड़ाव तथा रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षाबंधन 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। इसी अवसर पर विद्यार्थियों को अपने हाथों से सुंदर एवं आकर्षक राखी तैयार करने तथा उसके साथ अपने भाई के लिए भावनात्मक संदेश लिखने के लिए प्रेरित किया गया। तैयार राखी को निर्धारित लिफाफे में भेजने की व्यवस्था भी भारतीय डाक विभाग द्वारा की गई। राज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में अपनी कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मक सोच और भावनाओं को राखियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंग, साजावटी सामग्रियों और आकर्षक डिजाइनों का प्रयोग करते हुए सुंदर हस्तनिर्मित राखियां तैयार कीं। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय से शीर्ष 10 प्रतिभागियों का चयन विद्यालय स्तर पर किया जाना है। चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। चयनित प्रतिभागी तान्या, नीलम मानसी, प्रगति,शैलजा, अनन्या वैष्णवी, रिद्धिमा, मयंक और परी हैं। इसके बाद विद्यालय स्तर से चयनित प्रविष्टियों में से श्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन हजारीबाग डाक मंडल स्तर पर किया जाएगा। विद्यार्थियों के प्रधानाचार्य राहुल घोष ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में रचनात्मकता के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को मजबूत करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने भारतीय डाक विभाग की इस सुंदर पहल की सरहना की और विद्यार्थियों की सहभागिता को अधिक सुजनात्मक कोशल, भाई-बहन के प्रेम तथा भावनात्मक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ कला, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करता है।

आदर्शों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर अपने व्यवहार एवं दैनिक जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने वैलनेस क्लब के विद्यार्थियों के इस सार्थक आयोजन की सरहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति एवं साहित्य से जोड़ने के साथ उनके चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। छात्र रुद्र ठाकुर ने गोस्वामी तुलसीदास की भूमिका का प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया। छात्रा मीनाक्षी कुमारी ने तुलसीदास के बाल्यकाल एवं जीवन से संबंधित प्रभावी मंच संचालन किया, तबनी, वैलनेस क्लब की सचिव, ने छात्रा, वैलनेस छात्रा श्रेया कुमारी, अध्यक्ष, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वैलनेस क्लब के विद्यार्थियों एवं संबंधित शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। तुलसीदास जयंती का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम न होकर भारतीय साहित्य, संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं गौरवशाली परंपरा को समझने और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का सार्थक अवसर सिद्ध हुआ।

नवप्रदेश/गुमला आजाद बस्ती निवासी 24 वर्षीय महिला ने पति समेत समुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, दुष्कर्म, गर्भपात कराने, गहने लेने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवप्रदेश/गुमला आजाद बस्ती निवासी 24 वर्षीय महिला ने पति समेत समुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, दुष्कर्म, गर्भपात कराने, गहने लेने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवप्रदेश/गुमला के बाजारटांड स्थित एमएस लोहानी ट्रेडिंग में चोरों ने चररा काटकर दुकान में प्रवेश किया और नकदी, चांदी के सिक्के, कॉपर तार समेत जरूरी कागजात चोरी कर लिए। संचालक अभिषेक लोहानी की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दहेज प्रताड़ना व दुष्कर्म का आरोप

नवप्रदेश/गुमला आजाद बस्ती निवासी 24 वर्षीय महिला ने पति समेत समुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, दुष्कर्म, गर्भपात कराने, गहने लेने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवप्रदेश/गुमला आजाद बस्ती निवासी 24 वर्षीय महिला ने पति समेत समुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, दुष्कर्म, गर्भपात कराने, गहने लेने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रांची, गुरुवार, 20 अगस्त, 2026

राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा में राखी बनाओ और भेजो प्रतियोगिता का आयोजन

नव प्रदेश/कोडरमा। राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा के विद्यार्थियों ने भारतीय डाक विभाग, हजारीबाग डिवीजन द्वारा आयोजित राखी बनाओ और भेजो प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के प्रति प्रेम, भावनात्मक जुड़ाव तथा रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षाबंधन 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। इसी अवसर पर विद्यार्थियों को अपने हाथों से सुंदर एवं आकर्षक राखी तैयार करने तथा उसके साथ अपने भाई के लिए भावनात्मक संदेश लिखने के लिए प्रेरित किया गया। तैयार राखी को निर्धारित लिफाफे में भेजने की व्यवस्था भी भारतीय डाक विभाग द्वारा की गई। राज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में अपनी कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मक सोच और भावनाओं को राखियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रंग, साजावटी सामग्रियों और आकर्षक डिजाइनों का प्रयोग करते हुए सुंदर हस्तनिर्मित राखियां तैयार कीं। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय से शीर्ष 10 प्रतिभागियों का चयन विद्यालय स्तर पर किया जाना है। चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। चयनित प्रतिभागी तान्या, नीलम मानसी, प्रगति,शैलजा, अनन्या वैष्णवी, रिद्धिमा, मयंक और परी हैं। इसके बाद विद्यालय स्तर से चयनित प्रविष्टियों में से श्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन हजारीबाग डाक मंडल स्तर पर किया जाएगा। विद्यार्थियों के प्रधानाचार्य राहुल घोष ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में रचनात्मकता के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को मजबूत करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने भारतीय डाक विभाग की इस सुंदर पहल की सरहना की और विद्यार्थियों की सहभागिता को अधिक सुजनात्मक कोशल, भाई-बहन के प्रेम तथा भावनात्मक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ कला, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करता है।

टीबी मुक्त भारत ऐप से संबंधित वर्चुवल बैठक संपन्न

नव प्रदेश/कोडरमा : डॉ. रमन कुमार जिला यक्ष्मा पदाधिकारी कोडरमा की अध्यक्षता में टीबी मुक्त भारत ऐप से संबंधित वर्चुवल बैठक आहूत किया गया, जिसमें सभी प्रखंड में कार्यरत सीएचओ, बीटीटी एवं एनटीडीपी कर्मी (डीपीसी, डीपीपीएम कॉन्डिनेटर, एसटीएलएस, एसटीएस) उपस्थित रहे। डॉ रमण कुमार जिला यक्ष्मा पदाधिकारी कोडरमा द्वारा बताया गया कि टीबी मुक्त भारत ऐप भारत सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन की दिशा में शुरू किया गया एक डिजिटल मंच है। यह ऐप टीबी रोगियों, उनके परिवारों, समुदाय और हल्हनशिक्षय मित्रों को पोषण, निदान (जांच) और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ता है। इस इलाज की निगरानी को आसान बनाता है। इस ऐप से टीबी मरीजों का आसानी से डिजिटल पंजीकरण और डेटा प्रबंधन एवं मरीजों की दवा और स्वास्थ्य स्थिति की नियमित ट्रैकिंग करने में मदद करता है। उनके द्वारा बताया गया कि 24 घंटे सहायता के लिए ऐप में मौजूद खुशी डिजिटल चैटबॉक्स के जरिए विभिन्न भाषाओं में टीबी मरीजों को मार्गदर्शन और सवाल का जवाब प्राप्त होत है एवं टीबी मरीजों को छेटी. छेटी जांचकारी के लिए बार-बार अस्पताल या डॉक्टर के पास नहीं जाना पड़ता है। इस ऐप की मदद से समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों और दानकताओं को निक्षय सिम के रूप में मरीजों को पोषण उपलब्ध कराते हेतु जोड़ने में मदद करता है। मजम में टीबी के प्रति भावियों को दूर करने और सभी स्वास्थ्य प्रसिध्दाने में सहयोग करता है। साथ ही उनके द्वारा सभी सीएचओ एवं बीटीटी को इस ऐप में पंजीकरण करीने का निर्देश दिया गया एवं उनके क्षेत्र अंतर्गत सभी सहायिओ एवं ईलाजरत टीबी मरीजों को 31 अगस्त तक इस ऐप को डाउनलोड कराते हुए उनका पंजीकरण कराने को कहा गया। उक्त वर्चुवल बैठक में अखिलेश कुमार, अनु पाण्डेय, दिपेश कुमार, प्रकाश कुमार रवि, सलिक जफर, धीरेन्द्र कुमार चन्द्रवर्षी, विभाजन कुमार, अजय कुमार, आशीष पाण्डेय, अमित कुंजूर, प्रवीण कुमार रवानी, सुनीता कुमारी एवं सभी प्रखण्डों के सीएचओ/बीटीटी ने भाग लिया।

वाटर एटीएम की सुरक्षा से खिलवाड़! आरटीआई मंच ने उठाए सवाल, प्रशासन से घेराबंदी बहाल करने की मांग

नव प्रदेश/कोडरमा। लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए वाटर एटीएम की बढ़ाहली को लेकर सूचना अधिकार मंच के सचिव आरके बंसत ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक वाटर एटीएम के एक तरफ से खराब होने को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल पहल की मांग की है। बंसत ने अधिकता संघ, कोडरमा परिसर से पूर्व में लगाए गए वाटर एटीएम की घेराबंदी को काटकर हटाए जाने पर भी कड़ी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि घेराबंदी हटने के बाद वाटर एटीएम असुरक्षित हो गया है और इसकी सुरक्षा प्रभावित होने से कभी भी मरीजन खराब हो सकेती है। इसका सीधा नुकसान न्यायालय आने वाले लोगों को उठाना पड़ सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस परिस्थिति में अधिकता परिसर में लगे वाटर एटीएम के साथ इस तरह छेड़छाड़ की गई। बंसत ने इसके लिए अधिकता संघ की तदर्थ समिति को जवाबदेह बताते हुए कहा कि प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक उपयोग की सुविधा में इस प्रकार बदलाव करना उचित नहीं है। आरके बंसत ने पूरे मामले से उप विधान सभाएक एवं नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को अवगत कराया है। उन्होंने अधिकारियों से मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए वाटर एटीएम को सुरक्षित करने और उसकी पूर्व स्थिति बहाल कराने की मांग की है, ताकि आम लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा निर्बाध रूप से मिलती रहे।

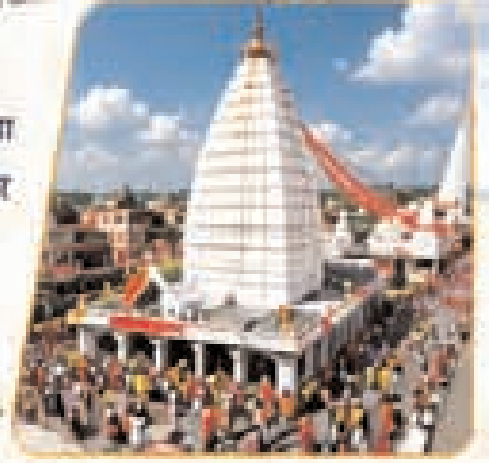
बासोडीह बाजार के स्टार अल्ट्रासाउंड पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी ने लैपटॉप, प्रिंटर व पेनड्राइव जब्त, सेंटर सील

विजय संकर वैध (नवप्रदेश)सतगावां। बासोडीह बाजार स्थित स्टार अल्ट्रासाउंड सेंटर पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने औचक छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। स्वास्थ्य सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने नेतृत्व में प्रशासकिक एवं पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कौल मच गया। जंग के बाद सेंटर को पूरी तरह सील कर दिया गया। छापेमारी के दौरान टीम ने सेंटर में उपलब्ध दस्तावेजों, उपकरणों एवं अन्य सामग्री की बारीकी से जांच की। सखिल सजैन ने बताया कि जांच के क्रम में एक लैपटॉप, प्रिंटर मशीन और पेनड्राइव जब्त की गई है। हालांकि सेंटर की मुख्य अल्ट्रासाउंड मशीन मौके पर नहीं मिली। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सेंटर के पास आवश्यक वैध कागजात नहीं पाए गए तथा निर्धारित नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई। इसी आधार पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सेंटर को सील किया गया। जप्त उपकरणों की तकनीकी जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी टीम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुरेश राम, बीडीओ मनोज कुमार रवि सहित स्थानीय पुलिस बल शामिल था। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में बिना निबंधन या नियमों के विपरीत संचालित अन्य अल्ट्रासाउंड सेंटरों एवं पैथोलॉजी लैब संचालकों में भी अफरा-तफरी मची हुई है।



सावन माह में रुद्राभिषेक का महत्व

सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस माह में किया गया रुद्राभिषेक साधक के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य, वैभव और आध्यात्मिक उन्नति का वरदान देता है।



रुद्राभिषेक क्या है?

रुद्राभिषेक वेदों में वर्णित एक पवित्र अनुष्ठान है, जिसमें भगवान शिव के रुद्र स्वरूप का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ जल, दूध, दही, घृत, शहद, शक्कर, पंचामृत और पवित्र द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है। यह पूजा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है।

सावन माह में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व

- भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- मन की शांति, स्वास्थ्य लाभ और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।
- धन, धान्य, वैभव, व्यापार और करियर में उन्नति के योग बनते हैं।
- परिवार में सुख-शांति, प्रेम और एकता बनी रहती है।
- आध्यात्मिक उन्नति, ज्ञान, वैराग्य और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

रुद्राभिषेक की प्रक्रिया



रुद्राभिषेक में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री



रुद्राभिषेक के प्रमुख लाभ

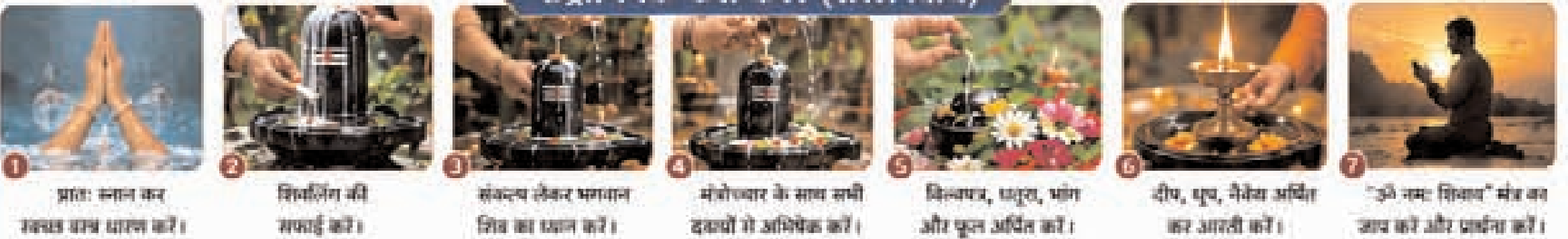
- कुंडली के दोष, कालसाय दोष, मित्र दोष और राहु-केतु दोष से मुक्ति मिलती है।
- बीमारी, भय, शत्रु काया, नकारात्मक ऊर्जा और दुर्ग-प्रेत से रक्षा होती है।
- विवाह में विलंब, संतान प्राप्ति, भूमि-भवन, वाहन और न्यायिक मामलों में सफलता मिलती है।
- विद्या, बुद्धि, स्मरण शक्ति और आध्यात्मिक जागृति प्राप्त होती है।
- जीवन में स्थिरता, समृद्धि और खुशाहली आती है।

रुद्राभिषेक करने का सही समय

- सावन माह के प्रत्येक दिन रुद्राभिषेक शुभ होता है।
- विशेष रूप से सोमवार का दिन अत्यंत फलदायी माना गया है।
- प्रदोष काल (सुभात से 1.5 घंटे पूर्व) में रुद्राभिषेक करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।
- ब्राह्म मुहूर्त (सुषुप्त 4 से 6 बजे) में रुद्राभिषेक सवीतम है।
- शिवरात्रि, सावन सोमवार और सावन पूर्णिमा अत्यंत शुभ माने जाते हैं।



रुद्राभिषेक कैसे करें? (सरल विधि)



सावन माह की अन्य विशेषताएं

- इस माह व्रत, जप, तप, भजन और सेवा का विशेष महत्व है।
- कांवड़ पर्व और जलतीर्थों से जीवन में शिव कृपा बनी रहती है।
- सावन में शिव पूजा से सभी का मन और पुण्य की वृद्धि होती है।
- यह माह आध्यात्मिक और ईश्वर से जुड़ने का उत्तम समय है।



शिव पंचाक्षरी मंत्र

ॐ नमः शिवाय

इस मंत्र का निरंतर जाप करें सभी कष्ट दूर होंगे और मन की शांति मिलेगी।



विशेष सुझाव

- रुद्राभिषेक जटा, मुकुट और निचम से करें।
- नला, मोहाहार और अमृत चबन से करें।
- संघम धर्म और शिवानंद जाकर या घने शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करें।



ॐ नमः शिवाय ॥ भगवान शिव आप पर और आपके परिवार पर सदैव कृपा बनाए रखें! ॐ हर हर महादेव! ॐ

सांक्षिप्त समाचार

उन्होंने हम पर दबाव बनाया, हार के बाद श्रीलंकाई कप्तान ने राहुल-पंडिक्ल की साझेदारी को सराहा गाले,

श्रीलंका को भारत के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच में 165 रन से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंकाई टीम के कप्तान धनंजय डी सिल्वा का मानना है कि केएल राहुल और देवदत्त पंडिक्ल ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचाने में मदद की। भारत की पहली पारी में केएल राहुल और देवदत्त पंडिक्ल के बीच 162 रन की साझेदारी हुई थी। अगली पारी में दोनों खिलाड़ियों ने मिलकर 65 रन जुटाए। इस मैच में केएल राहुल ने 82 और 35 रन, जबकि पंडिक्ल ने 167 और 44 रन की पारियां खेलीं मुकाबला गंवाने के बाद धनंजय डी सिल्वा ने कहा, मुझे लगा कि दूसरे दिन से ही हम ज्यादातर समय गेम में बने हुए थे, और लड़कों ने यहां चौथी पारी में भी जबरदस्त संघर्ष किया। यह आसान नहीं था, लेकिन हां, मुझे लगा कि यह एक अच्छा मैच था। गाले की पिच को लेकर श्रीलंकाई कप्तान ने कहा, शुरूआती तीन दिनों में बैटिंग करना अच्छा था। जाहिर है, गाले में चौथी पारी आसान नहीं होती, यह सब जानते हैं, लेकिन मुझे लगा कि (केएल) राहुल और (देवदत्त) पंडिक्ल को जो शुरूआत मिली, उन्होंने उसे बड़ी पारियों में बदला और वहां से हम पर दबाव बनाया। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस गंवया और भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए 462 रन का विशाल स्कोर बनाकर मेजबान टीम को दबाव में डाल दिया। इसके बाद श्रीलंकाई टीम 284 रन पर सिमट गई। भारत के पास पहली पारी के आधार पर 178 रन की अहम बढ़त थी। अगली पारी में टीम इंडिया ने 193 रन बनाकर श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का टारगेट दिया, जिसके जवाब में मेजबान टीम 206 रन पर सिमट गई।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान: टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर आउट हुए अजान अवैस, नाम जुड़ी शर्मनाक रिकॉर्ड नई दिल्ली,

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच लीड्स के हे-डिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। पाकिस्तान की शुरूआत बेहद खराब रही और सलामी बल्लेबाज अजान अवैस मैच की पहली ही गेंद पर पवेलियन लौटे। ओली रोबिन्सन की अंदर आती हुई गेंद को अजान समझने में पूरी तरह से नाकाम रहे और गेंद सीधा उनके पैड पर आकर लगी, जिसके बाद अंपायर ने तुरंत अपनी उंगली खड़ी कर दी। पाकिस्तान के बल्लेबाज ने डीआरएस का भी इस्तेमाल किया, लेकिन वह विकेटों के ठीक सामने पाए गए। अजान अवैस टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पाकिस्तान की ओर से मैच की पहली ही गेंद पर आउट होने वाले महज दूसरे सलामी बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले यह अनचाहा रिकॉर्ड मोहसिन खान के नाम दर्ज है, जो 1983 में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच की पहली ही बॉल पर अपना विकेट गंवा बैठे थे। वहीं, ओली रोबिन्सन इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले महज चौथे गेंदबाज बने हैं। रोबिन्सन से पहले यह कारनामा मॉरिस टेट, जॉफ्री ग्राहम अर्नोल्ड और रयान साइडबॉटम कर चुके हैं। बारिश के चलते खेल रोके जाने तक पाकिस्तान ने पहली पारी में अपने 2 विकेट सिर्फ 23 रनों के स्कोर पर गंवा दिए हैं। अजान अवैस बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, जबकि इंजरी के बाद टीम में वापसी करने वाले शान मसूद सिर्फ 5 रन बनाकर ओली रोबिन्सन का दूसरा शिकार बने। टेस्ट क्रिकेट में फिर से इंग्लैंड के कप्तान नियुक केट गए जो रूट ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम चोट के चलते इस मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं और उनके स्थान पर टीम की कप्तान सलमान अली के हाथों में सौंपी गई है की प्लेइंग इलेवन: अजान अवैस, इमाम-उल-हक, शान मसूद, अब्दुल्ला शफीक, सउद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान आगा (कप्तान), अली उस्मान, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अली और मोहम्मद अब्बास।इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: बेन डकेट, एमिलियो गे, जॉर्डन कॉक्स, जो रूट (कप्तान), हैरी ब्रूक, डैन लॉरेंस, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), ओली रॉबिन्सन, गस एर्किंसन, जोफ्रा आर्चर और जोश टंग।

यूपी वॉरियर्स ने भारत की पूर्व सिलेक्टर नीतू डेविड को बनाया स्काउटिंग हेड



नई दिल्ली,

भारत की पूर्व स्पिन्नर और महिला वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम की सिलेक्टर रहीं नीतू डेविड को यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 सीजन से पहले स्काउटिंग हेड नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इस बात की घोषणा की है। नीतू पिछले हफ्ते बेंगलुरु के साई कृष्णन ग्राउंड्स में घरेलू खिलाड़ियों के लिए आयोजित ऑफ-सीजन कैप में हेड कोच अभिषेक नायर की अगुवाई वाली स्पोर्ट स्टाफ टीम में शामिल हुई थीं। डब्ल्यूपीएल में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद टीम अपनी टैलेंट पहचानने की प्रक्रिया में बदलाव करना चाहती है। यूपी वॉरियर्स के स्पोर्ट स्टाफ में फील्डिंग कोच सौरभ बांडेकर और मॅटर लिखा स्थालेकर भी शामिल हैं। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सपर लिखा, भारत की वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की सिलेक्टर को अपना स्काउटिंग हेड बनाकर हम बहुत उत्साहित हैं। यूपी वॉरियर्स में आपका स्वागत है, नीतू डेविड। भारत की बेहतरीन स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिन्नरों में से एक मानी जाने वाली नीतू, भारतीय महिला चयन समिति की चेयरपर्सन के तौर पर काम कर चुकी हैं। उनके पास प्रशासनिक और टैलेंट पहचानने का काफी अनुभव है, जो फ्रेंचाइजी के काम आएगा। अपनी नई भूमिका में नीतू उभरते हुए घरेलू टैलेंट को खोजने का काम करेंगी ताकि उस फ्रेंचाइजी को मजबूत किया जा सके जो टूनामेंट के पहले चार सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करती रही है। यूपी वॉरियर्स लीग के छोटे से इतिहास में सबसे ज्यादा संघर्ष करने वाली टीम रही है। कुल 33 मुकाबलों में टीम को सिर्फ 12 मैचों में जीत नसीब हो सकी है। 2023 में हुए पहले सीजन में लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के बाद, फ्रेंचाइजी अगले तीन सीजन में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। 2024 में टीम चौथे स्थान पर रही, जबकि 2025 व 2026 दोनों में प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर रही।1995 से 2008 तक चले अपने शानदार 13 साल के इंटरनेशनल करियर में नीतू डेविड ने भारत के लिए 10 टेस्ट और 97 वनडे खेले और दोनों फॉर्मेट में कुल 182 इंटरनेशनल विकेट लिए। उन्होंने 1995 में जमशेदपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ महिला टेस्ट मैच में 53 रन देकर 8 विकेट लेने के शानदार प्रदर्शन के लिए भी याद किया जाता है।

कोकीन टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद निक किर्गियोस अस्थायी रूप से सस्पेंड

लंदन,

इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। 31 वर्षीय किर्गियोस जून में कोकीन के मेटाबोलाइट (कोकीन के टूटने से बने वाला पदार्थ) के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। किर्गियोस ने 22 जून को स्पेन के मैलोकॉ में एटीपी 250 इवेंट के दौरान अपना सैपल दिया था। 17 जुलाई को, वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त एक लैब ने बेंजोइलएक्मोनिन की मौजूदगी की पुष्टि की, जो कोकीन का एक मेटाबोलाइट है। कोकीन को वाडा की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में स्टिमुलेंट (उत्तेजक) और दुरुपयोग किए जाने वाले पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। टेनिस एंटी-डोपिंग प्रोग्राम के तहत प्रतियोगिता के दौरान इस पर प्रतिबंध है। जो

एथलीट प्रतियोगिता के बाहर इस पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाते हैं, उनके लिए दुरुपयोग किए जाने वाले पदार्थों के मामले में कम सजा का प्रावधान है। आईटीआईए ने कहा, हूपदार्थ की प्रकृति के कारण, अस्थायी सस्पेंशन अनिवार्य है और यह 4 अगस्त से लागू है। अक्टूबर 2016 में वर्ल्ड सिंगल्स रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंचने वाले किर्गियोस के पास अस्थायी सस्पेंशन के खिलाफ अपील करने का अधिकार है, लेकिन उन्होंने अब तक ऐसा नहीं किया है। सस्पेंशन के कारण, किर्गियोस वर्ल्ड टेनिस, डब्ल्यूटीए, एटीपी, ग्रैंड स्लैम या किसी भी राष्ट्रीय संघ की तरफ से आयोजित या स्वीकृत किसी भी इवेंट में खेल नहीं सकते, कोचिंग नहीं कर सकते या उसमें शामिल नहीं हो सकते। नियमों के उल्लंघन की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए, किर्गियोस ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में अपनी चुपनी तोड़ी। हाल की मु-



श्किलों के कारणों पर बात करते हुए, विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट ने शारीरिक समस्याओं के उस कठिन दौर का जिक्र किया जिसने उनके करियर को प्रभावित किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, हमैंने एक बड़ी गलती की और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं अपने फेंस, परिवार, प्रायोजकों और

करीबी लोगों से माफी मांगता हूं। सबसे बड़कर, मैं उन बच्चों से माफी मांगता हूं जो मुझे फॉलो करते हैं। मुझे पता है कि इससे क्या मिसाल कायम होती है, और मैं खुद से बहुत निराश हूं। मैं कोई बहाना नहीं बना रहा हूं, लेकिन मैं यह बातना चाहता हूं कि मैं किन हालात से गुजरा हूं। पिछले कुछ सालों में

लगी चोटों ने मुझ पर शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत बुरा असर डाला है। मेरा शरीर वैसा काम नहीं कर पा रहा है जैसा मेरा दिमाग चाहता है, और अपने करियर के अंत के करीब होने की बात को स्वीकार करना मेरे लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा मुश्किल रहा है। मैंने हमेशा कहा है कि मैंने टेनिस नहीं चुना-टेनिस ने मुझे चुना। लेकिन जिस चीज ने मेरी पूरी जिंदगी बनाई है, उसे छोड़ना मेरे लिए सबसे मुश्किल कामों में से एक रहा है। कई बार मुझे बेबस और अकेलापन महसूस हुआ है। इन बातों से मेरे किए गए काम का कोई बचाव नहीं होता। हालांकि, अच्छी बात यह है कि इससे मुझे अपनी स्थिति को समझने और सुधारने का मौका मिला है।किर्गियोस ने कहा कि वह अगले 28 दिनों तक सोशल मीडिया और सार्वजनिक जीवन से दूर रहेंगे ताकि खुद को ठीक करने पर ध्यान दे सकेंहा। उन्होंने कहा, अगले 28 दिनों तक मैं सोशल

मीडिया और सार्वजनिक जीवन से दूर रहूंगा और खुद को ठीक करने पर ध्यान दूंगा। मैं लोगों से गुजारिश करूंगा कि वे इस दौरान मेरी प्रा-इवैसी का सम्मान करें, और सबसे जरूरी बात, मेरे परिवार की निजता का भी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने इस सीजन में सिर्फ चार सिंगल्स मैच खेले हैं, क्योंकि हाल के वर्षों में उन्हें घुटने और कलाई की चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने आखिरी बार विंबलडन में मेंस डबल्स मैच खेला था, जहां वह और उनके साथी अलेक्जेंडर बुव्लिक पहले ही राउंड में हार गए थे किर्गियोस ने सात एटीपी टूर सिंगल्स खिताब जीते हैं और 2022 में विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां वह नोवाक जोकोविच से चार सेट में हार गए थे। उन्होंने और उनके साथी खिलाड़ी थानासी कोकिनाकिस ने 2022 में एक साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन मेंस डबल्स का खिताब जीता था।

गाले टेस्ट में 10 विकेट लेकर मानव सुथार ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी, नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

गाले,

भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को पहले टेस्ट में 165 रनों से हराया। भारत से मिले 372 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की पूरी टीम दूसरी पारी में 206 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मानव सुथार की घूमती गेंदों का जादू खूब चला और उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट चटकाए। मानव सुथार ने पहली पारी में 4 विकेट चटकाए, जबकि दूसरी इनिंग में श्रीलंका के 6 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। मानव ने सिर्फ अपने टेस्ट करियर के दूसरे ही मैच में 10 विकेट लेकर अपना नाम खास लिस्ट में दर्ज करा लिया है। वह भारत की ओर से सबसे कम टेस्ट मैच खेलकर एक ही मुकाबले में 10 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उनसे पहले अक्षर पटेल और लक्ष्मण शिवमामकृष्णन करियर के दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट निकाल चुके हैं। वहीं, नरेंद्र हरिवानी ने अपने टेस्ट डेब्यू मुकाबले में ही 16 विकेट चटकाए थे। भारत श्रीलंका के खिलाफ भारत की ओर से एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले यह खास उपलब्धि सिर्फ अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, मनिंदर सिंह, वैकटपति राजू और रविचंद्रन अश्विन की हासिल कर सके हैं। कुंबले-हरभजन ने 2 बार श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट में 10 विकेट निकाले हैं। मानव सुथार भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में विदेशी सरजमाी पर 10 विकेट चटकाने वाले सातवें स्पिन गेंदबाज बने हैं। हालांकि, वह 28 साल से कम उम्र में यह कारनामा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने 24 साल 16 दिन की उम्र में एक टेस्ट में 10 विकेट चटकाए हैं। श्रीलंका के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दूसरी पारी में भी निराशाजनक रहा। टीम की तरफ से पहली पारी में शतक लगाने वाले सोनल दिनुशा (84 रन) और धनंजय डी सिल्वा (59 रन) ही कुछ हद तक भारतीय गेंदबाजों का सामना कर सके।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की महिला टीम का ऐलान

जोहान्सबर्ग,

जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका क्रिकेट ने महिला टीम का ऐलान कर दिया है। युवा तेज गेंदबाज कैटलिन विंगार्ड, नथाबिसेंग निनी और ऑफ-स्पिन्नर लुयांडा न्जुजा को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। नियमित कप्तान लौरा वोल्वार्ट पांच मैचों की इस सीरीज में टीम की कप्तान संभालेंगी। यह सीरीज 11 से 19 सितंबर तक बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेली जाएगी। कई सीनियर खिलाड़ी ग्लोबल फ्रेंचाइजी लीग और घरेलू प्रतियोगिताओं में व्यस्त हैं, इसलिए चयनकताओं ने वेंच स्ट्रेथ और अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को आजमाने का फैसला किया है। 15 सदस्यीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो हाल ही में इंग्लैंड में हुए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाए थे। इनमें

मौजूदा घरेलू टी20 ह्याप्लेयर ऑफ द ईयररूफे टुर्निकिलफ भी शामिल हैं, जिन्हें एनेके बॉश, अयांडा हलुबी, एलिज-मारी मार्क्स, सेशनी नायडू, नोंडुमिसो शंगासे और मियाने स्मिट के साथ टीम में जगह मिली है। टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज सिनालो जाफ्टा और काराबो मेसो के साथ-साथ ऑलराउंडर कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन के रूप में अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। हेड कोच मांडला माशिम्वी ने इस ऐतिहासिक दौर के महत्व पर जोर देते हुए इसे भविष्य के ग्लोबल इवेंट्स के लिए एक अहम कदम बताया। उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा, जिम्बाब्वे का दौरा कई वजहों से रोमांचक है। सबसे पहली और अहम बात यह है कि हम एक टीम के तौर पर अपने अफ्रीकी पड़ोसी देश के दौरे की तैयारी कर रहे हैं, और इसका हिस्सा बनना बहुत खास है। मैं अपने देश में हमारा स्वागत करने



के लिए जिम्बाब्वे का भी शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। युवाओं पर केंद्रित चयन नीति के बारे में बताते हुए माशिम्वी ने कहा कि स्थापित सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक शानदार मौका बना है। इन टी20 इंटरनेशनल मैचों को लेकर उत्साहित होने की एक और वजह है, वह युवा टीम है जिसे हम बुलावायो ले जा रहे

हैं। उन्होंने कहा, चूँकि कई खिलाड़ी दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में साउथ अफ्रीका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, इसलिए हमने एक युवा और महत्वाकांक्षी टीम चुनने का फैसला किया। इन्हे साथ ही हमने उन खिलाड़ियों को इंटरनेशनल लेवल पर खेलने का मौका देने का सोचा है जो प्रोटियाज (दक्षिण अफ्रीकी टीम) तक पहुंचने के रास्ते में अच्छ

आईसीसी रैंकिंग: ट्रेविस हेड को पछाड़कर चौथी बार टेस्ट में नंबर-1 बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक

दुबई,

इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक एक बार फिर आईसीसी मेंस टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्रूक ने ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। ब्रूक ने चौथी बार यह शीर्ष स्थान अपने नाम किया है। वह पहली बार दिसंबर 2024 में बतौर बल्लेबाज टेस्ट के बादशाह बने थे। ट्रेविस हेड तीन स्थान नीचे फिसलकर चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनकी रैंकिंग में गिरावट बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में सिर्फ 22 और 17 रन की पारियां खेलने के बाद आई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस मुकाबले में उलटफेर का शिकार होकर 9 विकेट से मैच गंवाना पड़ा था। जो



रूट (दूसरे) और स्टीव स्मिथ (तीसरे) भी हेड से आगे निकल गए हैं। स्मिथ ने 71 और 44 रन बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, बांग्लादेशी कप्तान

नजमुल हुसैन शांतो 9 स्थान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 20वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। शांतो ने पहली पारी में 84 रन बनाकर जीत की नींव रखी

थी। शांतो भारतीय ऑलराउंडर र-वींद्र जडेजा और अपने ही देश के लिटन दास जैसे खिलाड़ियों से आगे निकल गए। टीम के साथी मोमिनुल हक (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 31वें) और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 30वें) ने भी इस सूची में अपनी स्थिति बेहतर की, जबकि ट्रेविस हेड मैच में 22 और 17 रन बनाने के बाद शीर्ष रैंक वाले टेस्ट बैटर का स्थान गंवा बैठे। कैमरून ग्रीन की दूसरी पारी में लगाई गई सेंचुरी ने उन्हें पांच स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंचने में मदद की, जबकि मोमिनुल हक (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 31वें), शादमान इस्लाम (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 58वें), मेहदी हसन मिराज (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 59वें) और तंजीद

हसन (84 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 88वें) ने भी बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है। टॉप-4 बल्लेबाजों के बीच सिर्फ 33 रेटिंग प्वाइंट्स का फर्क है। ऐसे में पाकिस्तान के विरुद्ध इंग्लैंड की घरेलू टेस्ट सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सीरीज के दूसरे मैच के बाद रैंकिंग में और बदलाव हो सकते हैं। सीम बॉलर हसन महमूद ने ह्यालेयर ऑफ द मैच वाले प्रदर्शन से अच्छी तरक्की की है। पहली पारी में 55 रन देकर छह विकेट लेने के बाद वे 26 स्थान ऊपर चढ़कर 38वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि दूसरी पारी में 66 रन देकर पांच विकेट लेने वाले मेहदी तीन स्थान ऊपर चढ़कर 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। आईसीसी मेंस वनडे प्लेयर रैंकिंग में इस हफ्ते सबसे

ज्यादा सुधार अफगानिस्तान के बाएं हाथ के बल्लेबाज सैदिकुल्लाह अदल ने किया है, जो आयरलैंड के विरुद्ध पांच मैचों की सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों में 143 और 98 रन बनाने के बाद 37 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें पायदान पर पहुंच गए हैं। आयरलैंड के कर्टिस कैम्फर 84 और 96 रन बनाकर 23 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गए हैं। आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ कनाडा के बल्लेबाज पररात सिंह की 42 रनों की पारी ने उन्हें 10 स्थान ऊपर चढ़कर 85वें नंबर पर पहुंचने में मदद की है, जबकि आयरलैंड के एंड्रयू बालबर्नी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 47वें नंबर पर आ गए हैं।

तेजस्वी के लोकभवन मार्च में डमी एके-47 लेकर पहुंचे राजद कार्यकर्ता, वाटर कैनन के बीच डांस का वीडियो चर्चा में

निरंकार भास्कर
नवप्रदेश/पटना। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने लोकभवन मार्च निकाला। सीवान में छत्र आंदोलन के दौरान हुई पुलिस फायरिंग के विरोध में निकाले गए इस मार्च में कुछ RJD कार्यकर्ता विरोध के प्रतीक के तौर पर डमी अड-47 लेकर पहुंचे। मार्च की

शुरूआत जेपी गोलंबर से हुई। बड़ी संख्या में RJD कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। प्रदर्शनकारियों ने निहत्थे आंदोलनकारियों पर गोली चलाने और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। मार्च के दौरान कार्यकर्ता डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े, जहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया।



प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने आयरर गोलंबर के

पास मार्च को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। आयरकर गोलंबर के पास पुलिस

संत कवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती बड़े ही धूमधाम से मना

नवप्रदेश/सुर्यपूरा/ प्रखंड मुख्यालय स्थित सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) राज राजेश्वरी प्लस दू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बुधवार सावन शुक्ल सप्तमी तिथि को श्री राम चरित्र मानस के रचयिता संत कवि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता दैनिक प्रभारी प्रधानाध्यापक विकास कुमार ने किया, जबकि संचालन देवेंद्र कुमार चौधरी ने किया.

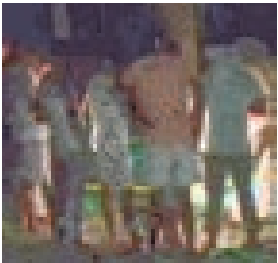
कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने गोस्वामी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित



कर उन्हें श्रद्धा के साथ नमन किया. वहीं विद्यालय की शिक्षिका रूबी कुमारी ने रामायण की चौपाई को गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया. शिक्षिका मुदुला दूबे ने गोस्वामी जी के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए भक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया. विद्यालय के शिक्षक संजीत कुमार ने गोस्वामी जी

बेगूसराय में 24 वर्षीय युवक की हत्या बगीचे में बंधे हाथ-पैर के साथ मिला शव

नरंकार भास्कर
नवप्रदेश/बेगूसराय। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में 24 वर्षीय युवक राहुल कुमार की हत्या से सनसनी फैल गई। मंगलवार रात हुई इस घटना के बाद बुधवार को उसका शव गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक बगीचे में मिला। मुसक के हाथ-पैर बंधे हुए थे, जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान सिकंदरपुर निवासी रामप्रताप राय के पुत्र राहुल कुमार के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार, राहुल के शरीर पर मारपीट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि उसे पहले बंधक बनाया गया और फिर उसके साथ मारपीट की गई।पुलिस घटना के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। जांच में पारिवारिक विवाद समेत अन्य संभावित कारणों को भी शामिल किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, जिस बगीचे से शव बरामद हुआ, वहां कथित तौर पर नशे से जुड़े लोगों का आना-जाना रहता था। हालांकि, पुलिस ने अभी किसी भी कारण को अंतिम रूप से हत्या की वजह नहीं माना है।बताया जा रहा है कि घटना से पहले राहुल का अपने



छोटे भाई से विवाद हुआ था। पुलिस जब राहुल के घर पहुंची तो उसका छोटा भाई वहां मौजूद नहीं मिला। हालांकि, पुलिस फिलहाल किसी को आरोपी नहीं बता रही है और सभी पहलुओं की जांच कर रही है।घटना की सूचना मिलते ही सदर-वन डीएसपी आनंद कुमार पांडेय, मुफस्सिल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार गौतम और थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाए गए। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया गया है।सदर-वन डीएसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी विवाद और मारपीट से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस मृतक और उसके परिवार की पृष्ठभूमि समेत सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अक्टूबर में बिहार यात्रा पर निकलेंगे नीतीश कुमार 2 अक्टूबर से चंपारण से शुरूआत का प्रस्ताव



और प्रदर्शनकारियों के बीचनोक झोंक हुई प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान कुछ फखऊकार्यकर्ता पानी की बोहराों के बीच डांस करते नजर आए। डमी एके-47 के जरिए सीवान फायरिंग का विरोध मार्च के दौरान कुछ RJD कार्यकर्ता पुलिस लिखी टी-शर्ट पहनकर हाथ में डमी अड-47 लेकर पहुंचे थे। वहीं, कुछ अन्य कार्यकर्ताओं ने स्टूडेंट लिखे

कपड़े पहन रखे थे। डमी हथियार के जरिए कार्यकर्ताओं ने सीवान में 25 जुलाई को हुई पुलिस फायरिंग की घटना का प्रतीकात्मक विरोध किया। मार्च के दौरान पुलिस ने तेजस्वी यादव समेत कई RJD कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई की गई।

वहीं विद्यालय के संगीत शिक्षक भारत गिरी ने भेरे मन में है राम, रोम रोम में समाया मेरा राम है भक्ति गीत की सामूहिक प्रस्तुति कर समूचे विद्यालय में भक्ति का माहौल कायम कर दिया. कार्यक्रम में गोस्वामी जी के जीवन चरित्र पर वर्णन करने

वाले अन्य वक्ताओं में कुमार रंजीत, रवि रंजन कुमार, बॉरेंद्र सिंह, विमलेश मिश्रा मंटून कुमार, आलोक मिश्रा, दिवाकर चौबे, शोबान आलम अंसारी,शिक्षिका इंदु कुमारी, विद्योतमा कुमारी, प्रज्ञा देवी, पूजा कुमारी, राखिया खातून के साथ ही निरंजन कुमार के साथ ही सैकड़ों छात्र, छात्राएं शामिल थीं

प्रशांत किशोर ने मानहानि मामले में कोर्ट में दाखिल किया जवाब, मुकदमा खारिज करने की मांग

चन्दन राजपूत
नवप्रदेश, बेतिया (पश्चिम चंपारण)। सांसद डॉ. संजय जायसवाल द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर की ओर से न्यायालय में लिखित जवाब दाखिल किया गया है। प्रशांत किशोर ने मुकदमे को राजनीति से प्रेरित और बेवुनियाद बताते हुए इसे खारिज करने की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर 2026 को होगी।
अधिवक्ताओं के माध्यम से दाखिल किया जवाब
प्रशांत किशोर की ओर से अधिवक्ता प्रकाश दुबे, अनोश तिवारी और अनुराधा कुमारी ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में जवाब दाखिल किया। जवाब दाखिल करने के दौरान प्रशांत किशोर स्वयं न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। बताया गया कि जांच साक्ष्य के दौरान मामले में अभियुक्त बनाए गए प्रशांत किशोर को बीएनएस की धारा 223 के तहत अपना पक्ष रखने के लिए न्यायालय की ओर से नोटिस जारी किया गया था। इसी के अनुसार जमाने में उनके अधिवक्ताओं ने लिखित जवाब प्रस्तुत किया। मुकदमे को बताया राजनीति से प्रेरितप्रशांत किशोर की ओर से दाखिल जवाब में सांसद डॉ. संजय जायसवाल की थी,



द्वारा दर्ज कराए गए आपराधिक मानहानि मामले को बेवुनियाद बताया गया है। उनके अधिवक्ताओं के अनुसार, जवाब में मामले को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए न्यायालय से वाद को खारिज करने का अनुरोध किया गया है।सांसद के अधिवक्ताओं ने किया विरोधवहीं, सांसद डॉ. संजय जायसवाल की ओर से अधिवक्ता अमर्गद कुमार वर्मा और चंद्रिका प्रसाद कुशवाहा ने प्रशांत किशोर की ओर से दाखिल जवाब का विरोध किया। अधिवक्ताओं ने जवाब को अमान्य नहीं बताते हुए इसे बेवुनियाद करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है। 15 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाईमामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 15 अक्टूबर 2026 की तारीख निर्धारित की है। बता दें कि सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने आरोप लगाया था कि बेतिया आगमन के दौरान प्रशांत किशोर ने उनके खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी,

सहार भोजपुर। प्रखंड के खैरा चौक स्थित अंबेडकर भवन में स्वर्गीय मीना देवी के पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधिवत हवन पूजा तथा उपस्थित अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम स्व मीना देवी की तेलचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा के दौरान अंबेडकर सेना जिला अध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि स्व मीना देवी का जीवन सद्भावना पूर्व रहा है। इस दौरान व्यवसायिक काशीनाथ सह अंबेडकर सेना जिला अध्यक्ष अशोक राम युवा नेता सतीश कुमार अधिकता नंदकुमार कुंदन कुमार मदन राय समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

एसपी ने रात्रि विश्राम कर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

नवप्रदेश/बगहा संवाददाता। पुलिस अधीक्षक बगहा ने मंगलवार को वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के रामपुरवा गांव में रात्रि विश्राम किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और शिकायतों की जानकारी ली तथा गंभीरता से उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष विभिन्न समस्याएं और शिकायतें रखीं। एसपी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की शिकायतों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन किया जाए और किसी भी मामले में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा, सुविधा और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने ग्रामीणों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों को आमजन की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। साथ ही पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा ग्रामीणों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने पर जोर दिया।

होने के बाद मोपती मेला मोड के समीप निजी क्लिनिक में ईलाज के दौरान रात्री करीब 7:30 में एस्पआई विवेका कुमार ने लोकेशन ट्रेक के आधार पर धर दबोचा गया। गिरफ्तारी के बाद बागर निवासी सतेन्द्र राय के पुत्र आनन्द राय को पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पीरो लावा गया जहां ईलाज के बाद पुलिस हिरासत में सिकरहटा थाना ले जाया गया।

गिरफ्तारी के बाद पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पीरो में कराया ईलाज

नवप्रदेश/तराी। पीरो अनुमंडल के तरारी प्रखण्ड के सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोआपखुर्द मुर्गी फार्म के समीप तेज गति से भाग रहे हिरोईन कारोबारी सड़क रुदुर्घटना में जख्म



गिरफ्तार आनन्द कुमार वाहन जांच के दौरान आणची बाईंक सवार दो लोगो की तलाशी के दौरान चकमा देकर फरार हो गया था। वाहन पर एक काले रंग के बैग से सिकरहटा थाना की पुलिस ने तलाशी के दौरान 45 ग्राम हिरोईन दो वजन करने वाली मशीन ओर दो मोबाईल बरामद कि थी। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट तहत आनन्द राय और एक अज्ञात के विरुद्ध

प्राथमिकी दर्ज कर लागातार गिरफ्तारी के लिए अलग टिकानो पर छापेमारी कर रही थी। लेकिन चकमा देने में कामयाब हो जाता था। आखिरकार सड़क दुर्घटना के बाद ईलाज कराने के दौरान टावर लोकेशन के आधार पर मोपती मेला मोड से गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कागजी प्रक्रिया के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक नजर

आरएमएम लॉ कॉलेज चालू करने की मांग को लेकर चिराग पासवान से मिले लोजपा जिलाध्यक्ष

सहरसा में उद्योग स्थापित करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने का भी रखा प्रस्ताव



नवप्रदेश/सहरसा। जिले के एकमात्र बंद पड़े आरएमएम विधि महाविद्यालय को दोबारा चालू कराने सहित विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान से मुलाकात की। नई दिल्ली स्थित पंथशील भवन में हुई शिष्टाचार मुलाकात के दौरान जिलाध्यक्ष ने सहरसा जिले की प्रमुख समस्याओं एवं विकास से जुड़े मुद्दों से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने बंद पड़े आरएमएम विधि महाविद्यालय को जल्द चालू करने की मांग प्रमुखता से रखी। साथ ही जिले में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। महेंद्र कुमार शर्मा ने सहरसा से रोजगार के अभाव में हो रहे पलायन की समस्या की भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जिले में रोजगार के पक्षों अवसर उपलब्ध होने से युवाओं को दूसरे प्रदेशों में पलायन करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए उचित पहल करने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के सकारात्मक आश्वासन से सहरसा के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जिले के विकास और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास जारी रहेगा तथा हार्डवैयर फर्ट, बिहारी फर्ट के संकल्प को साकार करने की दिशा में काम किया जाएगा।

चंपारण में बड़ा हादसा: तालाब में पलटी शिवदानी बस, कई यात्रियों के दबे होने की आशंका

नवप्रदेश/चन्दन राजपूत/बेतिया से मैनाटांड जा रही थी बस, पुरुषोत्तमपुर थाना के आगे हुआ हादसा पश्चिम चंपारण में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बेतिया से मैनाटांड जा रही शिवदानी बस पुरुषोत्तमपुर थाना के आगे अचानक तालाब में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि बस में कई यात्री सवार थे। बस के तालाब में पलटने के बाद कई यात्रियों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। हादसे की जानकारी पुलिस और प्रशासन को भी दी गई है। फिलहाल हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं या किसी के हताहत होने की पुष्टि हुई है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। राहत और बचाव कार्य के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।



मोतिहारी में 180 करोड़ की लागत से बनेगी चीनी मिल, कैबिनेट की मंजूरी से गन्ना किसानों में बढ़ी उम्मीद

नवप्रदेश/चन्दन राजपूत/मोतिहारी। मधुबन विधानसभा क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। पकड़ीदयाल प्रखंड के चोरमा में करीब 180 करोड़ रुपये की लागत से चीनी मिल और डिस्टिलरी स्थापित करने की परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। परियोजना के मंजूर होने के बाद क्षेत्र के किसानों में उत्साह और उम्मीद बढ़ी है। प्रस्तावित परियोजना मेसर्स श्री गणेश शुगर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता द्वारा स्थापित की जाएगी। इसके तहत 5000 टीसीडी क्षमता की चीनी मिल और 50 केंपलपीडी क्षमता की डिस्टिलरी लागू की योजना है। परियोजना में करीब 180 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है।मिल के शुरु होने के बाद स्थानीय गन्ना किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर के बाजारों पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। इससे क्षेत्र में नए की खेती को बढ़ावा मिलने और किसानों की आय में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता वाहन रैली का शुभारंभ

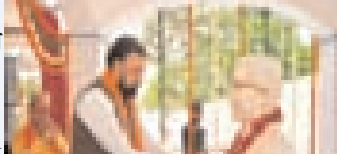
नवप्रदेश/बेतिया। प्रधानमंत्री सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने तथा अधिकारिक धरेंलू उपभोक्ताओं को इसका लाभ दिलाने के उद्देश्य से पश्चिम चंपारण जिले में व्यापक तौर-जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 21.08.2026 को नगर निगम, बेतिया परिसर में सोलर मेला-खंड-सोलर लोन मेला का आयोजन किया जाएगा। इस व्यापक अभियान के तहत काजले वैभव नितिन, उप विकास आयुर्वत, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार-प्रसार वाहन के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में योजना से संबंधित जानकारी, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं अनुदान के संबंध में आम लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर रचना माद्री, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, पश्चिम चंपारण, बेतिया मदन कुमार, विद्युत कार्यालय अभियंता, बेतिया, सहायक विद्युत अभियंता, बेतिया, सहायक विद्युत अभियंता, मझौलिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पेपर लेस निबंधन के दिरोध में जारी अनिश्चित कालीन हड़ताल के तीसरे दिन दस्तावेज नवीस संध ने दिया धरना

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बिहार सरकार की नई पेपरलेस निबन्धन (डिजिटल रजिस्ट्री) प्रणाली की शुरूआत के विरोध में दस्तावेज नवीस (कातिब) अनिश्चितकालीन हड़ताल और असहयोग आंदोलन बिक्रमगंज में तीसरे दिन भी जारी रहा। तीसरे दिन बुधवार को कातिबों ने अवर निबन्धन कार्यालय बिक्रमगंज के परिसर में बुधवार को धरना दिया। धरना स्थल पर एक सभा की गई। जिसे संबोधित करते हुए लोगों ने सरकार के पेपर लेस निबन्धन के प्रक्रिया को अव्यवहारिक बताया। कहा कि सरकार की इस प्रक्रिया को आम लोग स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि जिस कामज पर केंद्रा, बिहेन्ता और पहवान करने वालों का जब हस्ताक्षर नहीं होगा, उस हम मानने को तैयार नहीं है। सभा को दस्तावेज नवीस संध के अध्यक्ष शंभू प्रसाद सिन्हा, सचिव रमाकान्त भारती, भोला चौ, विजय सिंह, राधामुनी सिंह, पास सिंह, रोहित रंजन, विनयक दल तिवारी, मनोज लाल सहित कई लोगों ने संबोधित किया। लोगों ने कहा कि जब तक सरकार पेपर लेस निबन्धन पर पुनर्विचार नहीं करती तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। आपकों बता दे कि दस्तावेज नवीस के हड़ताल पर चले जाने से बिक्रमगंज में भूमि निबन्धन का कार्य पूरी तरह से टप हो गया है। इससे प्रत्येक दिन सरकार को लाखों रुपये के राजस्व की क्षति हो रही है। भूमि खरीद बिक्री करने वाले भी ख़ासे परेशान है। यदि यह हड़ताल जारी रहे तो कई घरों में बेटीयों की शादी खटाई में पड़ जाएगी। वन्यों के नामांकन और पटवाई भी बाधित हो सकती है।

बलुआ में डॉ. जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

कोसी-मेची लिंक परियोजना का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



नवप्रदेश/सुपौल। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय डॉ. जगन्नाथ मिश्र की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बलुआ बाजार पहुंचे। यहां आयोजित समारोह में उन्होंने डॉ. जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह रहा और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री ने निमार्णधीन कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना के कार्यस्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की प्रगति, अब तक हुए कार्य और आगे की कार्ययोजना की जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर परियोजना को समग्र पर पूरा करने सहित कई आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के दौर को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग की व्यापक व्यवस्था की गई थी। राजकीयकूट ललित नारायण हाई स्कूल परिसर में मुख्यमंत्री के हेलिकॉप्टर के लिए हेलीपैड बनाया गया था। जिलाधिकारी सवन कुमार, पुलिस अधीक्षक शश आरएस सहित अन्य अधिकारी लगातार कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का जायजा लेते रहे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री पंडित डॉ. जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नीतीश मिश्र, विधायक नीरज कुमार सिंह बबलू, विधायक रामविलास कामत, पूर्व सांसद विश्व मोहन कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। बलुआ को प्रखंड बनाने की मांग -> मुख्यमंत्री के बलुआ पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने क्षेत्र को प्रखंड का दर्जा देने की मांग भी उठाई। लोगों ने कहा कि बलुआ को प्रखंड बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। मुख्यमंत्री के समक्ष मांग रखे जाने के बाद लोगों को इस दिशा में सकारात्मक पहल की उम्मीद है। डॉ. जगन्नाथ मिश्र का जन्म 24 जून 1937 को बलुआ बाजार में हुआ था। वे तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका निधन 19 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिमा अनावरण के साथ उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री कोसी-मेची लिंक परियोजना का निरीक्षण कर पटना के लिए रवाना हो गए।



सांक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया ने दी आत्मरक्षा की चेतावनी, ट्रंप के सैन्य अभ्यास घटाने के आदेश का नहीं दिखा असर सोल,

उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच दूरी को पाटना चाहते हैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी ओर सोल भी चाहता है कि प्योंगयांग से रिश्ते सामान्य हों लेकिन नॉर्थ कोरिया फिलहाल इन बातों की फिक्र नहीं कर रहा है। उसने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्वाउल्ची फ्रीडम शीलड (यूएफएस) की आलोचना करते हुए चेतावनी दी है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के अधिकार का इस्तेमाल करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने सैन्य अभ्यास की अवधि और दायरा कम करने का फैसला किया है। योनहाप ने बताया कि उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, प्योंगयांग ने अभ्यास को दुश्मन देशों की ओर से किए जा रहे आक्रामक सैन्य अभ्यास करार दिया और कहा कि वह अपने खिलाफ सैन्य खतरे को पूरी तरह निष्प्रभावी करने के लिए कदम उठाएगा। उत्तर कोरिया ने ट्रंप के हालिया आदेश का सीधे तौर पर उल्लेख नहीं किया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक सैन्य अभ्यास सोमवार से शुरू हुआ था और इसे 27 अगस्त तक चलना था। अब दोनों देशों ने इस शुक्रवार को ही समाप्त करने का फैसला किया है। इसके अलावा, अभ्यास के तहत होने वाले कुछ मैदानी प्रशिक्षणों में भी कटौती की जाएगी। ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा था कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास महंगे हैं और उत्तर कोरिया के प्रति गलत संदेश देते हैं। उन्होंने अपने और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बीच अच्छे संबंधों का भी हवाला दिया था। उत्तर कोरिया लंबे समय से इन सैन्य अभ्यासों को अपने खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी के तौर पर देखता रहा है। प्योंगयांग का कहना है कि अभ्यासों का स्वरूप लगातार अधिक वास्तविक युद्ध की तैयारी जैसा होता आ रहा है। इस बीच, दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने अभ्यास में कटौती के बावजूद अपनी संयुक्त रक्षा क्षमता और सैन्य समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ने बुधवार को संसद में बताया कि सोल को ट्रंप के सैन्य अभ्यास घटाने के निर्देश की पहले से जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी अधिकारी भी ट्रंप की सोशल मीडिया घोषणा से पहले इससे अवगत नहीं थे।

ट्रंप ने कनाडा पर 50 फीसदी टैरिफ का फैसला टाला, कीस्टोन एक्सएल पाइपलाइन को फिर शुरू करने के संकेत

वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर प्रस्तावित 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले को तीन दिन के लिए टाल दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। ट्रंप ने मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने प्रस्तावित शुल्क को तीन दिन के लिए रोक दिया है, क्योंकि दोनों देशों के बीच एक समझौता हो गया है और अब दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन अभी कुछ मुद्दों पर काम किया जाना बाकी है। अमेरिका का प्रस्तावित 50 फीसदी टैरिफ कनाडा के कई उत्पादों को प्रभावित करता, जिनमें शराब, हाँकी उपकरण, लकड़ी और अन्य सामान शामिल हैं। ये शुल्क बुधवार से लागू होने वाले थे। दोनों देशों के बीच जारी व्यापार विवाद के बीच इस फैसले से तत्काल टकराव टल गया है। ट्रंप ने इसी घोषणा में विवादित कीस्टोन एक्सएल तेल पाइपलाइन परियोजना को फिर से शुरू करने के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना ह्दकन्न से बाहर आ सकती है, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि पाइपलाइन को दोबारा शुरू करने का व्यापार समझौते से क्या संबंध होगा। कीस्टोन एक्सएल परियोजना का उद्देश्य कनाडा के अलबर्टा प्रांत से कच्चे तेल को अमेरिका तक पहुंचाना था। तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में इसका परमिट रद्द कर दिया था। ट्रंप लंबे समय से इस परियोजना के समर्थक रहे हैं। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार को लेकर तनाव पिछले कई महीनों से जारी है। प्रस्तावित नए टैरिफ को लेकर कनाडाई कारोबार जगत में चिंता बढ़ गई थी, क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच पहले से मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं और कारोबार पर असर पड़ सकता था। दोनों देशों के अधिकारी अब व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक 20 अगस्त को, व्यापक रणनीतिक साझेदारी की होगी समीक्षा



सिंगापुर,

भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) के चौथे संस्करण का आयोजन 20 अगस्त को सिंगापुर में होगा। बैठक में दोनों देश द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा करने के साथ ही नए और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा करेंगे। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय और व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी संयुक्त बयान में कहा कि बैठक में अगस्त 2025 में नई दिल्ली में आयोजित तीसरी आईएसएमआर के दौरान हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, सिंगापुर-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी रोडमैप के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाने के लिए नए अवसरों की पहचान की जाएगी सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग (व्यापार) मंत्री गन किम योंग अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री एवं गृह मंत्री के. षण्मुगम, विदेश मंत्री डॉ. विविन बालाकृष्णन, डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री तथा साइबर सुरक्षा और स्मार्ट नेशन समूह की प्रभारी मंत्री जोसेफिन तेओ और परिवहन मंत्री एवं द्वितीय वित्त मंत्री जेफ्री सिओ शामिल होंगे।भारतीय प्रतिनिधिमंडल में वित्त एवं कारपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा वाणिज्य एवं उद्योग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद शामिल होंगे। भारतीय मंत्री सिंगापुर के प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, उप प्रधानमंत्री गन किम योंग भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में दोपहर के भोज का आयोजन करेंगे। आईएसएमआर भारत और सिंगापुर के बीच मंत्रिस्तरीय स्तर पर सहयोग को आगे बढ़ाने वाला प्रमुख मंच है। इसके तहत दोनों देश डिजिटल अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, वित्त, कौशल, हरित अर्थव्यवस्था और अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत प्राथमिकताओं पर विचार करते हैं।

फिलिस्तीन में बनेगा इंडिया हॉस्पिटल, भारत के साथ रिश्ते हो रहे मजबूत: राजदूत शावेश

नई दिल्ली,

भारत में फिलीस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने कहा है कि बहुत जल्द उनके देश में इंडिया हॉस्पिटल बनने जा रहा है और इससे संबंधित कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। बुधवार को आईएनएस से विशेष बातचीत में शावेश ने वेस्ट बैंक, फिलिस्तीन की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और भारत के वरिष्ठ राजदूत के फिलिस्तीन दौरे की अहमियत पर प्रकाश डाला। नई दिल्ली, 19 अगस्त (आईएनएस)। भारत में फिलीस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने कहा है कि बहुत जल्द उनके देश में इंडिया हॉस्पिटल बनने आ रहा है और इससे संबंधित औषचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को आ-ईएनएस से विशेष बातचीत में श-वेश ने वेस्ट बैंक, फिलिस्तीन की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के समकक्ष बालाकृष्णन से की मुलाकात, रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

सिंगापुर,

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सिंगापुर के विदेश मंत्री विविन बालाकृष्णन ने बुधवार को दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी (कॉम्प्रोहेंसिव स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप) को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की और साथ ही मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक के बाद, विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, सिंगापुर के विदेश मंत्री विविन बालाकृष्णन से मिलकर खुशी हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा हुई। मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर उनकी राय भी मेरे लिए महत्वपूर्ण है। गुरुवार को होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्री-स्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) के दौरान उनके साथ और बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।विदेश मंत्री जयशंकर और बालाकृष्णन ने सिंगापुर में भारत के उच्चायोग के नए चांसरी कॉम्प्लेक्स (दूतावास प्फि-रसर) की आधारशिला भी रखी। विदेश मंत्री ने विश्वास जताया कि यह कार्यालय दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए चरण का प्रतीक बनेगा और सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लिए समर्थन को मजबूत करेगा। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, सिंगापुर के विदेश मंत्री विविन बालाकृष्णन के साथ मिलकर भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखी। मुझे विश्वास है कि यह कॉम्प्लेक्स भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए युग को दर्शाएगा और भारतीय समुदाय के लिए सेवाओं को और मजबूत करेगा। विदेश मंत्री जयशंकर चौथी भारत-सिंगापुर मंत्री-स्तरीय गोलमेज बैठक (आईएसएमआर) से पहले मंगलवार को सिंगापुर पहुंचे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, आ-ईएसएमआर का चौथा दौर गुरुवार को सिंगापुर में आयोजित किया जाएगा।

सिंगापुर ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए कड़े किए साइबर सुरक्षा नियम, क्वांटम-सेफ सेंटर भी होगा स्थापित

सिंगापुर,

सिंगापुर ने ऑनलाइन धोखाधड़ी और दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए नई और संशोधित आचार संहिता लागू की हैं। सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने बताया कि इन नियमों का उद्देश्य मेसेजिंग, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा मजबूत करना है। एसपीएफ के अनुसार, सोमवार को इन्हें जारी किया गया। नए नियम 2024 में लागू किए गए उपायों को और मजबूत करते हैं। निर्धारित ऑनलाइन सेवाओं पर दर्ज चोटाले के मामलों में 2024 से 2025 के बीच करीब 37 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। नई मेसेजिंग संहिता के तहत प्लेटफॉर्म को अज्ञात संपर्कों द्वारा किसी उपयोगकर्ता को ग्रुप में जोड़ने से पहले उसकी सहमति सुनिश्चित करनी होगी। संदिग्ध खातों को लेकर चेतावनी देने के साथ-साथ उपयोगकर्ताओं को अनजान संपर्कों



से आने वाले संदेशों और कॉल को फिल्टर या ब्लॉक करने का विकल्प भी देना होगा। सोशल मीडिया संहिता के तहत प्लेटफॉर्म को संदिग्ध घोटाला विज्ञापनों की पहचान कर उन्हें हटाना होगा और विज्ञापनदाताओं की पहचान सत्यापित करनी होगी।सिंगापुर के उपयोगकर्ताओं को लक्षित वित्तीय विज्ञापन केवल लाइसेंस प्राप्त सेवा प्रदाताओं के होने चाहिए। वहीं, संशोधित ई-कॉमर्स संहिता में लॉगिन और विज्ञापन से जुड़े सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। प्लेटफॉर्म को इन नए नियमों का पालन 31 जनवरी, 2027 तक करना होगा। प्रस्तावित कानून के तहत नियमों का



भारत के लगातार समर्थन की पुष्टि की। रंगनाथन ने रामल्लाह में फिलिस्तीन की विदेश और प्रवासी मामलों की मंत्री वारसेन अगाबेकियान शाहीन के साथ मुलाकात कर टू-नेशन सॉल्यूशन के तहत फिलिस्तीन के लिए अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराया। बाद में रामल्लाह स्थित भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा, भारत ने

रक्षा संबंधों को मजबूत करने और मेक इन इंडिया पहल पर भारत और जापान के बीच होगी वार्ता

नई दिल्ली,

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी बुधवार को भारत पहुंचे हैं। यहां अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 19 अगस्त को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सायन के साथ बातचीत की। इसके बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 अगस्त को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। गौरतलब है जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी की यह पहली भारत यात्रा है। दोनों नेताओं की बैठक में भारत-जापान रक्षा

संबंधों को और मजबूत करने, रणनीतिक विश्वास बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उपायों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। बैठक के दौरान दोनों रक्षा मंत्री समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने तथा मेक इन इंडिया के तहत रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। जापान द्वारा रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से संबंधित अपने तीन सिद्धांतों में संशोधन किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग के नए अवसरों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने के लिए बैठक में आगे की

फिलिस्तीन का हेल्थ सेक्टर बर्बाद होने की कगार पर है। मैंने विदेश मंत्री से संपर्क किया और उनसे इस मुद्दे पर बात की थी। उन्होंने कुछ करने का वादा किया था। मेरी जानकारी के अनुसार यहां से दवाइयां और मेडिकल सप्लाई बहुत जल्द फिलिस्तीन पहुंच जाएंगी। इससे पहले नई दिल्ली स्थित फिलीस्तीन दूतावास में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राजदूत ने भारत की ओर से कृत्रिम अंग प्रोजेक्ट के लिए मिल रही मदद की भी जानकारी दी। बताया कि भारत फिलिस्तीन को डायलिसिस मशीन और मेडिकल सामान भेजेगा। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी फिलीस्तीन की सहायता करने की अपील की कि उस देश की मदद को आगे बढ़ें जो अस्तित्व के खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह

पूछने के लिए इंतजार नहीं करना चाहिए कि फिलीस्तीनी समुदाय के साथ क्या हुआ। कार्रवाई अभी की जानी चाहिए।अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इजरायली बस्तियों के विस्तार, जबरन विस्थापन और वास्तविक विलय को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कथित चरमपंथी हिंसा के लिए जवाबदेही तय करने और फिलीस्तीनी लोगों के अस्तित्व के मौलिक अधिकार की रक्षा करने की मांग की। अबू शावेश ने कहा, फिलीस्तीनी जमीन कोई चुनावी पु-रस्कार नहीं है। फिलीस्तीनी लोगों की जिंदगी चुनावी मुद्दा नहीं है और फिलीस्तीनियों के अधिकार इजरायल के चुनाव में गिने जाने वाले मतपत्र नहीं हैं। राजदूत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से फिलीस्तीनी लोगों के अधिकारों और उनके भविष्य को लेकर तत्काल हस्तक्षेप करने का आन किया।

कार्ययोजना और नए सहयोग क्षेत्रों की पहचान किए जाने की संभावना है। बुधवार को पश्चिमी नौसेना कमान की यात्रा के दौरान जापानी रक्षा मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल को भारतीय नौसेना की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परिचालन क्षमताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पश्चिमी नौसेना कमान पहुंचने पर शिंजिरो कोइजुमी ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने नौसेना डॉकयार्ड में स्थित गौरव स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। जापानी रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस चेन्नई का भी दौरा किया। यह दौरा भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और समुद्री शक्ति से जापानी प्रतिनिधिमंडल को परिचित कराने की दिशा में

ईरान ने यूएई के दावे को किया खारिज, मिसाइल दागने का लगेगा था आरोप

तेहरान,

ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ईरान ने उर-के क्षेत्र को ओर मिसाइलों दागो थीं। यूएई ने मंगलवार को दावा किया था कि उसे ईरान से दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला। इसके बाद ईरान की ओर से यह प्रतिक्रिया सामने आई। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने ने ईरान पर लगाए आरोपों पर खेद जताते हुए कहा, यूएई का यह कदम अच्छे पड़ोसी के सिद्धांत के विपरीत है और क्षेत्रीय देशों के बीच विश्वास कायम करने तथा पश्चिम एशिया में असुरक्षा बढ़ने से रोकने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों से ईरान के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने से बचने की अपील की। बघाई ने कहा, क्षेत्र में पहले से ही अमेरिका और इजरायल की उन गतिविधियों के कारण जटिल स्थिति बनी हुई है, जिन्हें ईरान क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए नुकसानदायक मानता है। उन्होंने कथित फॉल्स-फ्लैग अभियानों के इतिहास का भी हवाला दिया। चीन की समाचार एजेंसी सिंहुआ के अनुसार, यूएई के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया था कि दोनों में से पहली मिसाइल देश के क्षेत्रीय जल से बाहर गिरी, जबकि दूसरी उसके क्षेत्रीय जल के भीतर गिरी। मंत्रालय ने कहा था कि देश हाई अल्ट्रै पर है और अपनी सुरक्षा, संप्रभुता तथा स्थिरता को प्रभावित करने वाले किसी भी खतरे से निपटने के लिए पूरी तैयार है। यूएई ने कहा था कि मिसाइलों का निशाना समुद्री यातायात था। हालांकि, घटना में अब तक किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं है। इस बीच, यूएई के विदेश मंत्रालय ने बुधवार तड़के सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि उसने ईरान के साथ अगले आदेश तक सभी व्यापार, वाणिज्यिक आदान-प्रदान और वित्तीय लेनदेन निलंबित कर दिए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते और मजबूत होंगे। हाई कमिश्नर फिलिप ने चेन्नई में होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक, शैक्षिक और खेल से जुड़ी गतिविधियां शामिल होंगी। यह पहल ऑस्ट्रेलिया की बेहतरीन चीजों को भारत लाएगी और दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करेगी। विदेश में होने वाले इस पहले बीबीएल मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच मुकाबला एमए न्चिंदबरम स्टेडियम में होगा। ग्रीन ने मौजूदा तनावपूर्ण पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बात की और कहा कि क्षेत्र में जारी घटनाक्रम



हासिल करने का अवसर देती है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के व्यापक आयामों का उल्लेख करते हुए व्यापार और रक्षा सहयोग के महत्व पर भी बात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा

और कौशल विकास आपसी स-झेदारी को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। ग्रीन ने खेल कूटनीति को बढ़ावा देने की दिशा में उठाए गए एक अहम कदम का भी जिक्र किया। दिसेंबर में होने वाला यह मैच ह्यूड-डे नमस्ते कार्यक्रम का हिस्सा होगा, जिससे

को लेकर ऑस्ट्रेलिया लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। कार्यक्रम आईसी3 की बात करें तो, इसमें 21 ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों ने ह्यस्टडी ऑस्ट्रेलिया पवेलियन के तहत हिस्सा लिया, जहां भारतीय छात्रों और उनके परिवारों को ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलियाई व्यापार एवं निवेश आयोग (ऑसस्ट्रेड) की नई स्कूल करिकुलम रिपोर्ट भी लॉन्च की गई। रिपोर्ट का उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया की शिक्षा व्यवस्था और पाठ्यक्रम से जुड़ी जानकारी को भारतीय विद्यार्थियों और परिवारों तक पहुंचाना है।